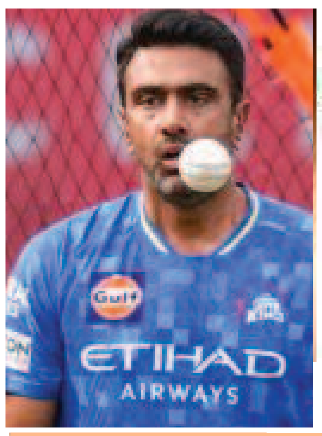

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

चयनसमिति और खिलाडिड़्रों के बीच सीधी बातचीत होनी चाहिये : अश्विन -पेज: 7

युवा पीढ़ी को पूरे मन से अपने जुनून को फॉलो करना चाहिए -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 194 | बुधवार 22 अक्टूबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

दिवाली के दिन मां वैष्णो देवी के चरणों में नतमस्तक हुए 11800 श्रद्धालु

कटड़ा (एजेंसी)। वर्तमान में श्रद्धालु पूरी श्रद्धा के साथ मां वैष्णो देवी के चरणों में नतमस्तक हो रहे हैं। हालांकि वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा में कमी लगातार देखने को मिल रही है। इस लेकर वर्तमान में मां वैष्णो देवी की यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। क्योंकि मुख्य दीपावली पर्व उत्साह के साथ बीत चुका है। अब उम्मीद है की मां वैष्णो देवी की यात्रा में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वहीं मंगलवार को मां वैष्णो देवी की यात्रा में आंशिक बढ़ोतरी दिखाई दी। इस लेकर आधार शिविर कटड़ा में श्रद्धालु की चहल पहला आरंभ हो गई है। श्रद्धालुओं को बैटरी कार सेवा के साथ ही हेलीकॉप्टर सेवा और रोपवे केवल कार सेवा के साथ ही घोड़ा, पिट्ठू और पालकी आदि की सेवाओं को लेकर किसी भी तरह का इंतजार नहीं करना पड़ रहा है और यह सभी सेवाएं श्रद्धालुओं को आसानी से उपलब्ध हो रही है। मंगलवार को मौसम मिला झूल रहा क्योंकि दोपहर तक जहां मौसम साफ रहा और धूप खींली रही वहीं दोपहर के बाद आसमान पर सूर्य देव और बादलों का लुका छुपी का खेल चलता रहा। हालांकि दिन में अधिकांश समय हेलीकॉप्टर सेवा सुचारु रही और श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हुई। वही नगर के व्यापारी वर्ग का मानना है कि जल्द ही मां वैष्णो देवी की यात्रा में बढ़ोतरी होगी और एक बार फिर बाजार श्रद्धालुओं से गुलजार होगा। बीते 20 अक्टूबर को 11800 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के चरणों में हाजिरी लगाई थी तो वहीं 21 अक्टूबर यानी कि मंगलवार बाद दोपहर 3:00 बजे तक करीब 11000 श्रद्धालु पंजीकरण करवा कर मां वैष्णो देवी भवन की ओर रवाना हो चुके थे और श्रद्धालुओं का आना जारी है।

संत प्रेमानंद की फिर बिगड़ी तबीयत, सीटी स्कैन करवाया गया

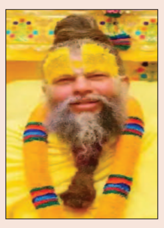

वृंदावन (एजेंसी)। मशहूर संत प्रेमानंद की एकबार फिर तबीयत खराब होने की सूचना मिली है। संत प्रेमानंद के पेट में सूजन दिखाने पर चिकित्सकों ने सीटी स्कैन की सलाह दी। संत के अनुयायियों ने एक निजी लैब में संत प्रेमानंद के पेट की सीटी स्कैन करवाई है। बात दें कि प्रेमानंद पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं। पिछले दिनों रात्रिकालीन पदयात्रा अनिश्चितकालीन स्थगित कर दी गई थी। लेकिन, स्वास्थ में कुछ लाभ होने पर संत प्रेमानंद रात ढाई बजे श्री राधा केलिकुंज से भक्तों को दर्शन देने के लिए करीब पांच सौ मीटर का रास्ता परिक्रमा मार्ग में तय करते थे लेकिन फिर से संत प्रेमानंद की तबीयत बिगड़ने पर मंगलवार की सुबह मथुरा के बिड़ला मंदिर के समीप शैल सुधा पैथोलाजी लैब में सीटी स्कैन करवाया गया है। संत प्रेमानंद की इस जांच को गुप्त रखा गया। यहां तक कि लैब में किसी के प्रवेश पर भी प्रतिबंध लगा दिया। संत प्रेमानंद के आश्रम श्री राधा केलिकुंज में इस बारे में जानकारी करने की कोशिश की, लेकिन किसी ने कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया।

नवी मुंबई में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं में कुल 6 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। दीपावली के मौके पर नवी मुंबई में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं में कुल 6 लोगों की मौत हो गई। जहां दीवाली की आधी रात को वाशी के सेक्टर-14 स्थित एमजी कॉम्प्लेक्स की रहेजा रेजीडेंसी सोसाइटी में भीषण आग लग गई। आग 10वीं, 11वीं और 12वीं मंज़िल पर लगी थी इस हादसे में कुल 4 लोगों की मौत हो गई। आग की घटना से 10वीं मंज़िल पर एक घर में एक बुजुर्ग महिला की मौत हुई। 12वीं मंज़िल पर एक घर में एक मां, पिता, और उनकी 6 साल की बेटी की जान चली गई। आग लगाने की घटना की जानकारी मिलते ही वाशी अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। वहीं सोमवार की सुबह कामोठे इलाके की सेक्टर 36 स्थित आंबे श्रद्धा सहकारी सोसायटी की तीसरी मंज़िल पर स्थित एक फ्लैट में आग लगी। बताया जा रहा है कि घर में रखे दो गैस सिलेंडरों में विस्फोट हुआ, जिससे आग भीषण हो गई। इस हादसे में एक मां और उसकी बेटी की मौत हो गई। परिवार के तीन अन्य सदस्य किसी तरह बच गए। आग ने चौथी मंज़िल के हिस्से को भी नुकसान पहुँचाया। अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, प्राथमिक जाँच में सिलेंडर ब्लास्ट आग का कारण है। दीवाली के दिन पूरे मुंबई में फायर ब्रिगेड को 32 जगहों पर आग लगने की कॉल मिली। सोमवार की सुबह कफ परेड में आग लगने से 1 व्यक्ति की मौत हो गई थी। पिंपरी चिंचवड़ शहर के वाकड स्थित एक ईवी बाइक शोरूम में आग लग गई। मंगलवार (21 अक्टूबर) की सुबह करीब 5.00 बजे आग लग गई। आग से लगभग 50 से 60 नए स्कूटर जलकर खाक हो गए। फायर ब्रिगेड का प्रारंभिक अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। गनीमत रही कि किसी की जान का नुकसान नहीं हुआ।

जैसलमेर में मार्बल फैक्ट्री में धमाका... पुलिस और सेना जांच में जुटी

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में एक मार्बल फैक्ट्री के पास जोरदार धमाका हुआ है, जो भारत-पाकिस्तान सीमा से लगभग डेढ़ सौ किलोमीटर दूर स्थित है। दीपावली की रात, जैसलमेर के रीको एरिया स्थित रमेश मार्बल फैक्ट्री में लोहे की टीन शेड में पैराशूट लगी एक बमनुमा वस्तु गिरी और ज़ोरदार धमाका हुआ। फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूर अर्जुन दास ने धमाके के बाद पहुंचकर आग बुझा दी। मजदूर अर्जुन को लगा कि यह दीपावली का कोई रॉकेटनुमा पटाखा है। लेकिन सुबह उठकर मजदूर ने देखा कि यह कोई पटाखा नहीं, बल्कि एक बमनुमा वस्तु थी जिस पर 51एमएम, आईएलएलजी लिखा था और उसके साथ एक पैराशूट भी बंधा हुआ था। टीन शेड में छेद हो गया था। इसके बाद मजदूर ने मालिक को और मालिक ने पुलिस को सूचना दी। कोतवाली पुलिस थानाधिकारी प्रेमदान रतनू और उनकी टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने हर पहलू से जांच शुरू की और सेना को भी बुलाया गया है। सेना अपने स्तर पर वस्तु की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, यह बमनुमा वस्तु रोशनी करने के काम आती है।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर केंद्र सरकार आयोजित करेगी मेगा इवेंट

90 मिनट का नाटक मंचन होगा, 200 कलाकार और क्रू मेंबर लेंगे भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। देश के पहले उप प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 31 अक्टूबर को 150वीं जयंती है। केंद्र सरकार ने इस मौके पर मेगा इवेंट का आयोजन करने का फैसला किया है। इस कड़ी में उनके जीवन पर आधारित 90 मिनट का एक नाटक मंचन राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के कलाकारों द्वारा पहले 30 और 31 अक्टूबर को गुजरात में किया जाएगा। इसके बाद इस नाटक का मंचन नई दिल्ली और अहमदाबाद समेत देश भर के अन्य शहरों में किया जाएगा।

केवड़िया में होने वाले भव्य समारोह का उद्घाटन पीएम मोदी करेंगे। इस कार्यक्रम में उनके अलावा गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और केंद्र व गुजरात के कई मंत्री और नेता शामिल होंगे। गुजरात सरदार पटेल का गृह राज्य है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि 90 मिनट का यह नाटक सरदार पटेल की सालभर चलने वाली 150वीं जयंती समारोह का हिस्सा है, जिसका समापन 31 अक्टूबर, 2026 को होगा।

संस्कृति मंत्रालय ने हाल ही में सरदार पटेल की याद में होने वाले इस मेगा इवेंट की देखरेख के लिए पीएम मोदी की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति के गठन की अधिसूचना जारी की थी। इस समिति में केंद्रीय मंत्रियों, राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों समेत 100 से ज्यादा सदस्य हैं। समिति में पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और रामनाथ कोविंद, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और पूर्व पीएम एच डी देवेगौड़ा भी प्रमुख सदस्य हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस नाटक में 200 कलाकार और क्रू मेंबर होंगे। नाटक में लाइटिंग इफेक्ट और अन्य नई तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। तीन अलग-अलग कलाकार सरदार पटेल की भूमिका निभाएंगे। इसकी शुरुआत 14 साल के पटेल से होगी, जिन्होंने स्कूल में किताबों की वास्तविक कीमत 2 पैसे के बजाय 5 पैसे में बेचे जाने पर विद्रोह किया था। सूत्रों के हवाले से कहा गया है नाटक में सरदार पटेल के जीवन से जुड़े कुछ गंभीर मुद्दों को भी उठाया गया है। उनमें राजनीति में परिवारवाद का विरोध भी शामिल है।

दरअसल, सरदार पटेल ने अपने परिवार के सदस्यों, खासकर अपने बच्चों को राजनीति में शामिल न होने की सख्त हिदायत दी थी, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि वे उनके नाम का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करें। इस अवधारणा से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि आज के समय में भाई-भतीजावाद पर बहुत चर्चा हो रही है, पटेल का जीवन व्यक्तिगत योग्यता के महत्व को दर्शाता है। फिलहाल, इस मेगा इवेंट का अभ्यास चल रहा है। नाटक में सरदार पटेल की लंदन से कानून की पढ़ाई करने के बाद बैरिस्टर के रूप में अहमदाबाद वापसी और 1916 में बाल गंगाधर तिलक के एक भाषण ने पटेल की राजनीतिक चेतना में कैसे अहम मोड़ ला दिया, यह भी दिखाया जाएगा। नाटक में महात्मा गांधी के साथ उनके संबंधों पर भी प्रकाश डाला जाएगा, कैसे 1946 में, स्वतंत्रता से ठीक पहले, जब महात्मा गांधी ने जवाहरलाल नेहरू के पक्ष में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के लिए कहा, तो पटेल पीछे नहीं हटे। इसके बाद नेहरू देश के पहले पीएम बने, जबकि पटेल उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री बने। नाटक का समापन उनके अंतिम दिनों और महीनों के साथ होगा। इसमें यह भी दिखाया जाएगा कि 1948 में गांधीजी की हत्या ने उन्हें कितना झकझोर दिया था।

इंदौर में रेबीज मुक्त बनाने अभियान शुरु... पहले चरण में दो हजार कुत्तों को एंटी-रेबीज टीकाकरण

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में रेबीज मुक्त बनाने के लिए अभियान जारी है। पहले चरण में दो हजार कुत्तों को एंटी-रेबीज टीकाकरण हुआ है, जबकि दूसरे चरण में दस हजार से अधिक कुत्तों को टीका लगाया जाएगा। निपानिया, राजबाड़ा, रामबाग, छप्पन दुकान, पलासिया, एलआईजी, तिलक नगर, कनाडिया, सिलिकॉन सिटी, महालक्ष्मी नगर, मूसाखेड़ी, मालवा मिल, सरवटे और स्कीम नंबर 140 से मिली जानकारी के आधार पर टीम ने कुत्तों का टीकाकरण किया। दूसरे चरण का अभियान दीपावली के बाद शुरू होगा। पीपुल्स फॉर एनिमल (पीएफए) और नीडीटेल फाउंडेशन ने वर्ल्ड वाइड वेटरनरी सर्विसेज एनजीओ के साथ मिलकर पहला चरण पूरा किया। टीकाकरण की पूरी जानकारी कुत्तों के फोटो और जीपीएस लोकेशन के साथ सॉफ्टवेयर पर अपलोड की गई है। दूसरे चरण हेतु 10 हजार कुत्तों का टीकाकरण लक्ष्य तय है। जीव प्रेमियों से क्षेत्रीय डाटा इकट्ठा कर टीकाकरण किया जाएगा। इसी योजना से गोवा को भी रेबीज मुक्त बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी आवारा कुत्तों के मामले में निर्देश दिए हैं कि पकड़े गए कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कर उन्हें वहीं छोड़ दिया जाए। आक्रामक और रेबीज संक्रमित कुत्तों को शेल्टर होम में रखा जाएगा। कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना न देने और नगर निगम द्वारा इसके लिए अलग जगह बनाने का आदेश दिया है।

अलर्ट जारी ! देश के 12 राज्यों में फिर बारिश मचाएगी धमाचौकड़ी, बिजली गिरने की आशंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्टूबर का महीना अपने अंतिम चरण में है। भारत से मौसम विदा ले चुका है। इसके बाद भी संभावना जताई जा रही है कि देश के 12 राज्यों में बारिश धमाचौकड़ी मचा सकती है। यहां तक की बिजली गिरने की भी संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवात के जोर पकड़ने का अनुमान है जिसका असर समुद्री तटों से लेकर देश के भीतरी राज्यों तक देखने को मिलेगा। इस चक्रवात के कारण लगभग 12 से अधिक राज्यों में भारी बारिश और तेज हवाओं की आशंका जताई जा रही है।

आईएमडी ने बंगाल की खाड़ी में अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के लिए चक्रवात का अलर्ट जारी किया है जिसके आज (21 अक्टूबर) से और अधिक सक्रिय होने का अनुमान है। चक्रवात का असर दक्षिण प्रायद्वीप, पूर्व, पूर्वोत्तर, मध्य भारत, पश्चिम भारत से लेकर उत्तर भारत तक रहेगा। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, गोवा, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश। चेतावनी के बाद स्थानीय बंदरगाहों को खाली कराया जा रहा है।

चक्रवात के मार्ग में आने वाले राज्यों में 24 अक्टूबर के बीच मौसम काफी खराब रहने की संभावना है। अंडमान-निकोबार में 21 से लेकर 23 अक्टूबर तक 40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार से हवाएँ और भारी बारिश की संभावना है। वहीं तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश में भारी बारिश, बिजली चमकने के साथ 30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार से तूफान आ सकता है। ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने और गरज के साथ बारिश 24 अक्टूबर तक हो सकती है। इसी तरह कोंकण, गोवा, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र बिजली कड़कने के साथ तूफान की आशंका अगले 2 दिनों तक बनी रहेगी। उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना। अधिकारियों का कहना है कि यह चक्रवात अंडमान-निकोबार से शुरू होकर केरल में प्रवेश करेगा जिसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और हिमाचल तक इसका व्यापक असर देखने को मिल सकता है।

बिहार में महागठबंधन में महा कलह, राजद और कांग्रेस नुकसान की भरपाई में जुटे

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर हुई खींचतान और हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के बाहर होने के बाद अंदरूनी कलह से जूझ रहे महागठबंधन के सहयोगी दल राजद और कांग्रेस, राज्य में कई सीटों पर अपने उम्मीदवारों के एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होने के बाद, नुकसान की भरपाई में जुट गए हैं। यह बात दूसरे चरण के नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामने आई। इसके बाद 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा की 121 सीटों पर कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। इन सीटों के लिए 6 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने कुल 61 नामांकन वापस ले लिए और 300 से ज़्यादा नामांकन खारिज कर दिए गए।

विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली और पिछले दो विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी रही राजद ने 143 उम्मीदवारों की सूची तब जारी की जब ज़्यादातर उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित हो चुके थे और उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए थे। पार्टी ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम के खिलाफ आरक्षित कुटुम्बा विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवार न उतारकर कांग्रेस के साथ सीधे टकराव से बचा लिया। हालांकि, लालगंज, वैशाली और कहलगांव में राजद के उम्मीदवार कांग्रेस उम्मीदवारों से भिड़ेंगे।

इससे पहले तारापुर में, जहां एनडीए ने बीजेपी नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मैदान में उतारा है, राजद का मुकाबला पूर्व राज्य मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) से होने की संभावना थी, और गौरा बोराम में भी। तारापुर में, वीआईपी ने घोषणा की कि वह उनके उम्मीदवार सकलदेव बिंद का समर्थन नहीं करेगी, जिसके विरोध में उन्होंने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया और चौधरी की उपस्थिति में बीजेपी में शामिल हो गए।

गौरा बोराम में, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को एक पत्र भेजा जिसमें कहा था कि उनकी पार्टी सहनी के छोटे भाई संतोष का समर्थन कर रही है और राजद के चुनाव चिन्ह, लालटेन, के तहत चुनाव लड़ने वाले किसी भी उम्मीदवार को वैध नहीं माना जाना चाहिए। हालांकि, यह पत्र बेअसर साबित हुआ।

राजद के चुनाव चिह्न पर नामांकन दाखिल करने वाले अफ़ज़ल अली ने पद छोड़ने से इनकार कर दिया, जिससे दरभंगा ज़िले की विधानसभा सीट पर पार्टी कार्यकर्ताओं के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है।

बछवाड़ा, राजापाकर और रोसड़ा में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर अंदरूनी कलह की आशंका है, जहाँ कांग्रेस और भाकपा दोनों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। राजापाकर, जो वर्तमान में कांग्रेस के पास है, वहाँ से मौजूदा विधायक प्रतिमा कुमारी दास अपनी सीट बचाएंगी। कांग्रेस कुल 61 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, जो 2020 की तुलना में पांच कम हैं, जब उसने केवल 19 सीटें जीती थीं। उस समय पार्टी के खराब प्रदर्शन को महागठबंधन के बहुमत हासिल करने में विफलता का एक प्रमुख कारण बताया गया था।

राजद को परिहार में विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है, जहां पार्टी की महिला शाखा की प्रमुख रितु जायसवाल ने निर्दलीय नामांकन दाखिल कर दिया है। वह पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र पूर्वे की बहू को पार्टी का टिकट दिए जाने से नाराज़ हैं, जिनके बारे में जायसवाल को संदेह है कि पिछले विधानसभा चुनावों में उनकी मामूली हार में उनकी भूमिका थी।

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद और छत्तीसगढ़ से कांग्रेस की राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन के पति पप्पू यादव का प्रभाव रहा है। उनके वफादारों को मौजूदा विधायकों की बजाय टिकट दिए गए हैं या उन निर्वाचन क्षेत्रों में तैनात किया गया है जहां पार्टी के जीतने की संभावना कम है। विकासशील इंसान पार्टी, जिसका निवर्तमान विधानसभा में कोई विधायक नहीं है, लेकिन जिसने पहले 40-50 सीटों की मांग की थी और वादा किया था कि अगर तेजस्वी यादव अगली सरकार बनाते हैं तो मुकेश साहनी उपमुख्यमंत्री बनेंगे, उन्होंने एक बड़ी रियायत दी और 16 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने पर सहमति व्यक्त की। भाकपा (माले) लिबरेशन, जिसकी 2020 में महागठबंधन में सबसे ज़्यादा सफलता दर रही थी, जिसने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 12 पर जीती थीं इस बार अति-महत्वाकांक्षी न होते हुए 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

भाकपा, जिसके दो विधायक हैं, पार्टी कार्यालय सचिव इंदु भूषण वर्मा के मुताबिक नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। माकपा के बिहार राज्य सचिवालय सदस्य मनोज चंद्रवंशी ने कहा कि उनकी पार्टी, जिसके भी दो विधायक हैं, चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

आई लव मोहम्मद विवाद पर आजम खान की दो टूक... जिला प्रशासन की निष्क्रियता

रामपुर (एजेंसी)। आई लव मोहम्मद लिखे विवादित पोस्टर और नारों को लेकर उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में तनाव बना था। इस मामले पर अब समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने चुप्पी तोड़ी है। उनका यह बयान तब आया है जब इस विवाद ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर दरार पैदा कर दी है, और प्रशासन को जगह-जगह कार्रवाई करनी पड़ी है।

सपा नेता आजम ने पूरे विवाद को बातचीत से हल करने की वकालत की। उन्होंने कहा, अगर मैं इस चिंगारी भी कहूं, तब यह छोटी सी बात इतनी बड़ी आग कैसे बन गई? अगर जिला प्रशासन चाहता तब बातचीत से मामला सुलझाया जा सकता था। मामला कितना भी बिगड़ जाए, बातचीत से ही हल निकल सकता है। जरा जंगों का नतीज देखो... यह भाईचारा खत्म करने की साजिश थी।

आजम ने सीधे तौर आरोप लगाया कि पूरे विवाद को जिला प्रशासन की निष्क्रियता या जानबूझकर की गई अनदेखी के कारण बढ़ने दिया गया। उनके अनुसार, यह विवाद भाईचारे को खत्म करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। सपा नेता खान ने कहा कि दुनिया के बड़े-बड़े मामले बातचीत से हल हो जाते हैं, फिर यह छोटा सा मामला क्यों नहीं सुलझाया जा सका। उन्होंने किसी व्यक्ति के प्यार जताने के अधिकार को जन्मसिद्ध अधिकार बताकर अपनी बात समाप्त की। उनका यह बयान विवाद को लेकर सियासी गलियारों में नई बहस छेड़ सकता है।

दरअसल आई लव मोहम्मद विवाद की शुरुआत सितंबर 2025 में कानपुर शहर के रावतपुर इलाके से हुई। बारावफात के जुलूस के दौरान, मुस्लिम युवाओं ने सड़क किनारे एक लाइटिंग बोर्ड पर आई लव मोहम्मद लिखा पोस्टर/बैनर लगा दिया। इसके बाद स्थानीय हिंदू संगठनों और निवासियों ने नई परंपरा बताकर इस पर आपत्ति जाहिर कर दी। क्योंकि उनके अनुसार यह स्थान पारंपरिक रूप से हिंदू त्यौहारों के लिए इस्तेमाल होता रहा है। विवाद बढ़ने पर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और नई परंपरा शुरू न करने का हवाला देकर पोस्टर हटवा दिया।

गुरुवायूर देवस्वोम को लौटाए गए ज्यादातर सोने-चांदी के बर्तनों का वजन कम निकला

ऑडिट रिपोर्ट में मंदिर के खजाने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के प्रसिद्ध कृष्ण मंदिर, गुरुवायूर मंदिर के खजाने में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी का खुलासा हुआ है। राज्य की ऑडिट डिपार्टमेंट ने 2019-20 और 2020-21 की अपनी रिपोर्ट में बताया है कि मंदिर में सोने-चांदी और अन्य कीमती सामानों के मैनेजमेंट में गंभीर अनियमितताएं हुईं हैं और सही प्रक्रियाओं का पालन नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, मंदिर के अंदर दैनिक अनुष्ठानों में इस्तेमाल होने वाले सोने और चांदी के बर्तनों में बड़े पैमाने पर हेराफेरी हुई। इसका हिसाब रखने वाले डबल-लॉक रजिस्टर की जांच से पता चला कि इस्तेमाल के बाद मंदिर प्रबंधक, गुरुवायूर देवस्वोम को जो सामान लौटे, अक्सर उनका वजन कम होता था।

ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा हुआ हैं कि कई बार सोने के सामान की जगह चांदी के सामान लौटाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक सोने के मुकुट की जगह चांदी का मुकुट वापस दिया। एक चांदी के बर्तन का वजन दस महीनों में 1.19किलोग्राम कम हो गया। एक चांदी के दिए का वजन कई सौ ग्राम घट गया।

2.65किलोग्राम चांदी के बर्तन की जगह सिर्फ 750 ग्राम वजन का बर्तन रखा गया। सबसे बड़ी चूक गुरुवायूर देवस्वोम के पुन्नथुर कोट्टा संचुरी में हाथी के दांतों के रख-रखाव में हुई। ऑडिट में बताया गया कि पुन्नथुर कोट्टा से जमा किए गए 530 किलोग्राम से ज्यादा वजन के हाथी दांत गायब हैं।

इस पूरे मामले में देवस्वोम चैयरमैन ने कहा कि मौजूदा बोर्ड के कार्यकाल से पहले का मामला गुरुवायूर देवस्वोम के अध्यक्ष वी के विजयन ने ऑडिट रिपोर्ट में मिली गड़बड़ियों पर कहा कि यह मामला मौजूदा बोर्ड के कार्यकाल से पहले का है। उन्होंने कहा कि यह मामला वर्तमान बोर्ड के कार्यभार संभालने से पहले का है। यह पहले ही अदालत में जा चुका है, जहां देवस्वोम ने अपना जवाब दाखिल किया है।

गुरुवायूर देवस्वोम के अध्यक्ष ने हाथी के दांत गायब होने के दावे पर कहा कि 2022 से अब तक, देवस्वोम से जुड़े छह हाथियों की मौत हो चुकी है। उन सभी मामलों में, वन विभाग की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किए गए थे। हाथी दांत हमें कभी नहीं सौंपा गया। हमें केवल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलती है। ऑडिट रिपोर्ट में किए गए दावे पहले के हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में पाक का साथ देने वाले तुर्की और अजरबैजान को भारतीयों ने सिखाया सबक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पर आंख उठाने वालों को सेना तो सबक सिखाती ही है बल्कि एक-एक नागरिक अपने-अपने स्तर पर बदला लेने में देरी नहीं करता। तुर्की और अजरबैजान से भी भारतीयों ने बदला ले लिया है। ये दोनों देशों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का जमकर सहयोग किया था और भारत के खिलाफ खड़े हो गए थे। हालत ये है कि अजरबैजान में मई से अगस्त 2025 के बीच भारतीय पर्यटकों की संख्या में 56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि तुर्की में यही गिरावट 33.3 प्रतिशत रही। इससे पहले, दोनों देशों में भारतीय यात्रियों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही थी। 2024 में अजरबैजान में 2.44 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे थे, जबकि तुर्की में 3.31 लाख। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद माहौल बदल गया।

ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद भारतीय ट्रैवल कंपनियों और पोर्टलों ने तुर्की और अजरबैजान की यात्रा से बचने की सलाह दी। कंपनियों ने 14 मई को जारी एक बयान में कहा, भारतीय यात्रियों में इस मुद्दे को लेकर गहरी भावनाएं देखी गई हैं। पिछले एक सप्ताह में अजरबैजान और तुर्की के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है। कैंसिल करने वालों की संख्या में 250 प्रतिशत बढ़ोतरी देखी गई। हम अपनी सेना के साथ एकजुटता में इन दोनों गंतव्यों के प्रचार और ऑफर को रोक चुके हैं। अजरबैजान और तुर्की द्वारा पाकिस्तान के पक्ष में खड़े होने का असर न केवल कूटनीतिक स्तर पर देखा गया, बल्कि इसका सीधा प्रभाव उनके पर्यटन उद्योग पर भी पड़ा है। भारत में अब इन देशों को लेकर जनभावना बदली है और इसके चलते ट्रैवल इंडस्ट्री ने भी दूरी बनानी शुरू कर दी है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो आने वाले महीनों में यह गिरावट और गहराने की संभावना है।

लगभग आधी रह गई पर्यटकों की संख्या

अजरबैजान में मई-अगस्त 2024 में लगभग 1 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे थे। मई-अगस्त 2025 में यह संख्या घटकर 44,000 हो गई। अगस्त 2024 में 21,137 और अगस्त 2025 में घटकर सिर्फ 6,032 हो गई। 2025 के पहले आठ महीनों में अजरबैजान आने वाले भारतीयों की संख्या 22 प्रतिशत कम होकर 1.25 लाख रह गई।तुर्की की बात करें तो मई-अगस्त 2024 में लगभग 1.36 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे थे। मई-अगस्त 2025 में इसकी संख्या घटकर 90,400 रह गई। जनवरी-अगस्त 2025 में कुल 1.74 लाख भारतीय पर्यटक पहुंचे। 2024 के मुकाबले 21प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

संपादकीय

प्रदूषण की जवाबदेही

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं। वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है।

चिंतन-मनन

अंदर से खूबसुरत बनिये संसार आपकी पूजा करेगा

स्मार्ट दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते ब्यूटी पार्लर जाते हैं, महंगे प्रीम पाउडर और ब्यूटी टिप्स को आजमाते हैं। सारे उपाय करने के बावजूद बढ़ती उम्र की निशानियों को उम्र की एक सीमा तक ही छिपा सकते हैं। अंत में खूबसूरती ढ़ल जाती है और जिस सुन्दरता पर लोग नाज करते हैं वह लोगों से दगा कर जाती है। इसलिए संतों और ज्ञानियों ने कहा कि रूप के धन पर इतराना नहीं चाहिए। सबसे उत्तम धन ज्ञान है और इसकी सुन्दरता दिन ब दिन बढ़ती जाती है। इसलिए बाहरी सुन्दरता को संवारने पर समय नष्ट करने की बजाय अंदर की सुन्दरता को निखारने का प्रयास करना चाहिए। व्यवहारिक जीवन में आपने देखा होगा कि किसी की सुंदरता को देखकर आपका मन चाहता होगा कि बार-बार उसे देखें। लेकिन जब आप उस रूपवान व्यक्ति के पास पहुंचते हैं उसके व्यक्तित्व को करीब से जानते हैं तो उससे नफरत होने लगती है। इसके विपरीत किसी कुरूप व्यक्ति को जब आप जानने लगते हैं उसके अंदर के गुण को समझने लगते हैं तो उस कुरूप व्यक्ति के प्रति लगाव और स्नेह बढ़ जाता है। देवी सीता के पिता महाराजा जनक के दरबार में हुई एक घटना इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इनके शासन काल अष्टावप्र नामक एक विद्वान थे। अपने नाम के समान अष्टावप्र का पूरा शरीर टेढ़ा मेढ़ा था। एक बार यह महाराजा जनक की सभा में पहुंचे। ऊंचे आसन पर बैठे सभासद अष्टावप्र को देखकर हंसने लगे। महाराज जनक ने देखा कि सामने से अष्टावप्र पधार रहे हैं। इन्हें देखकर ही सभासद हंस रहे हैं। महाराज जनक अपने सिंहासन से उतरकर अष्टावप्र के पास पहुंचे। इन्हें आदर पूर्वक लाकर अपने सिंहासन पर बैठाया और सभासदों से कहा कि महात्मा अष्टावप्र के चरण धोने हेतु जल लेकर आएं। महाराज ने स्वयं अपने हाथों से अष्टावप्र की सेवा की और सभासदों से कहा कि आप सब मूर्ख हैं जो बाहरी सौन्दर्य को पहचानते हैं। असली सौन्दर्य को आपने जाना ही नहीं। असली सुन्दरता ज्ञान है जो महात्मा अष्टावप्र के पास है। यह मेरे गुरू के समान हैं। सभासदों को सिर नीचे झुक गया। अष्टावप्र ने कई काव्य लिखे हैं। इन्होंने गीता की भी रचना की है जो अष्टावप्र गीता के नाम से विख्यात है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अन्नकूट पर्व के दिन गौपूजा का है विशेष महत्व

योगेश कुमार गोयल

हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा को अर्थात् दीवाली के अगले दिन 'अन्नकूट पर्व' मनाया जाता है, जिसे 'गोवर्धन पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। पांचदिवसीय दीवाली पर्व की शुरूआत धनतेरस से होती है और चौथे दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है लेकिन इस बार दीवाली 20 अक्तूबर को मनाई गई और गोवर्धन पूजा 22 अक्तूबर को है। आमतौर पर महालक्ष्मी की पूजा के अगले दिन गोवर्धन पूजा होती है लेकिन इस बार एक दिन बाद गोवर्धन पूजा होगी। दीवाली का पर्व 20 अक्तूबर को मनाया गया लेकिन इसके अगले दिन 21 अक्तूबर को भी अमावस्या तिथि रहने के कारण कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि 22 अक्तूबर को मान्य है और इसीलिए इस वर्ष गोवर्धन पूजा का पर्व 22 अक्तूबर को मनाया जा रहा है।

कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा को मनाई जाने वाली गोवर्धन पूजा को 'अन्नकूट पर्व' के नाम से भी जाना जाता है। सनातन धर्म में गोवर्धन पूजा का पर्व बेहद शुभ माना जाता है, जो इंद्र देव पर भगवान श्रीकृष्ण की जीत का प्रतीक है। इस दिन घर में गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव रूपी आकृति बनाकर उसकी पूजा की जाती है तथा तरह-तरह के व्यंजन बनाकर गोवर्धन को भोग लगाया जाता है। इन व्यंजनों को 'छप्पन भोग' की संज्ञा दी जाती है। ऐसी मान्यता है इस दिन भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की पूजा-अर्चना करने और उन्हें 56 भोग अर्पित करने से साधक को समस्त दुखों और संतापों से छुटकारा मिलता है। इस दिन बनने वाले अन्नकूट में कई प्रकार की सब्जियां, कढ़ी-चावल, खीर, मिठाईयां, रबड़ी, पेड़े, पुवा, मक्खन, मिश्री, पूड़ी इत्यादि भांति-भांति के पकवान बनाए जाते हैं और भगवान श्रीकृष्ण को भोग के रूप में अर्पित किया जाता है।

अन्नकूट पर्व के दिन गौपूजा का भी विशेष महत्व है। इसी कारण इस दिन बहुत से लोग गाय, बैल तथा अन्य पशुओं की सेवा करते हैं और गायों की आरती भी उतारी जाती है। इस दिन शाम के समय गोवर्धन पूजन के समय भगवान विष्णु, भगवान श्रीकृष्ण के साथ-साथ दैत्यराज महाप्रतापी एवं महादानवीर बलि का भी पूजन किया जाता है। माना जाता है कि इस पर्व का प्रचलन द्वापर युग से शुरू हुआ था और तभी से हर वर्ष कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को यह पर्व मनाया जाता रहा है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने देवराज इन्द्र के अहंकार को चूर-चूर कर गोकुलवासियों को गोधन के महत्व से परिचित कराया था। इस दिन गोबर से गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा की जाती है। वेदों में इस दिन वरूण, इन्द्र और अग्निदेव के पूजन का भी विधान है। पुराणों में बताया गया है कि इस दिन भगवान विष्णु ने लक्ष्मी सहित समस्त देवी-देवताओं को बलि की कैद से मुक्त कराया था।

इस पर्व के संबंध में द्वापर युग की एक कथा प्रचलित है। एक बार भगवान श्रीकृष्ण अपने बाल सखाओं के साथ गायों को चराते हुए गोवर्धन पर्वत की तराई में पहुंच गए। वहां उन्होंने देखा कि हजारों गोप-गोपियां बड़े उत्साह से नाच-गाकर कोई उत्सव मना रहे हैं और 56 प्रकार के व्यंजन वहां रखे हैं। श्रीकृष्ण के पूछने पर गोपियों ने बताया कि आज के दिन वृत्रासुर नामक राक्षस का वध करने वाले मेघों व देवों के राजा इन्द्र का पूजन किया जाता है क्योंकि उनकी कृपा से ही ब्रज में वर्षा होती है और अन्न पैदा होता है। यह सुनकर श्रीकृष्ण ने वहां उपस्थित समस्त ब्रजवासियों से कहा कि अगर देवराज इन्द्र स्वयं यहां आकर भोग लगाएं, तभी तुम्हें यह उत्सव मनाना चाहिए।

ब्रजवासी श्रीकृष्ण की बात से सहमत नहीं हुए। गोपियों ने श्रीकृष्ण से कहा, 'अगर इन्द्र को प्रसन्न करने के लिए 'इन्द्रोज' नामक यह यज्ञ नहीं किया गया तो समस्त ब्रजवासियों को इन्द्र के कोप का सामना करना होगा और समूचा ब्रज अकाल या बाढ़ की चपेट में आ जाएगा। इसलिए हमें यह यज्ञ हर हाल में करना ही चाहिए।' इस पर श्रीकृष्ण ने कहा, 'इन्द्र में क्या शक्ति है? उससे ज्यादा शक्तिशाली तो हमारा यह गोवर्धन पर्वत है और ब्रज में इसी के कारण वर्षा होती है। इसलिए हमें इन्द्रोज यज्ञ करने के बजाय गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए।' काफी वाद-विवाद के पश्चात ब्रजवासी इन्द्र के बजाय गोवर्धन की पूजा करने के लिए तैयार हो गए। सभी अपने घरों से पकवान लाकर श्रीकृष्ण द्वारा बताई विधि के अनुसार गोवर्धन का पूजन करने लगे। श्रीकृष्ण ने तब गोवर्धन पर्वत में अपना दिव्य रूप प्रविष्ट कराकर स्वयं गोवर्धन के रूप में समस्त व्यंजनों का भोग लगाया और ब्रजवासियों को आशीर्वाद दिया। ब्रजवासी गोवर्धन को प्रसन्न करने के लिए किए गए अपने यज्ञ को सफल मानकर बड़े प्रसन्न हुए।

नारद मुनि ने इन्द्र को इस घटना की जानकारी दी तो इन्द्र इसे अपना अपमान मानकर क्रोध के मारे फुफकार उठा और मेघों के जरिये ब्रज में तबाही शुरू कर दी। ब्रजवासियों की घबराहट देख श्रीकृष्ण ने उन्हें गोवर्धन पर्वत की शरण में चलने को कहा और गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठ उंगली पर उठा लिया। इस प्रकार पूरे सात दिन तक ब्रजवासी गोवर्धन के नीचे सुरक्षित रहे। अंततः देवराज इन्द्र को हार माननी पड़ी और तब ब्रह्मा जी ने उन्हें श्रीकृष्ण अवतार का रहस्य बताया तो इन्द्र श्रीकृष्ण से अपनी भूल के लिए क्षमा याचना करने लगे। श्रीकृष्ण ने तब गोवर्धन को अपनी उंगली से नीचे उतारते हुए ब्रजवासियों से हर वर्ष इसी दिन गोवर्धन की पूजा करने को कहा। माना जाता है कि तभी से प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को यह पर्व मनाया जाने लगा। इस दिन गौ पूजन करने के पीछे धारणा यह है कि इससे व्यक्ति को भोग एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह पर्व जहां गोधन के महत्व को दशार्ता है, वहीं इसे इन्द्र का अहंकार नष्ट होने के रूप में भी देखा जाता है। प्राणीमात्र को इससे यही सीख मिलती है कि अहंकार मनुष्य को सदा नीचा दिखाता है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

ट्रंप तुम राजा नहीं हो, विरोध में लाखों लोग सड़कों पर

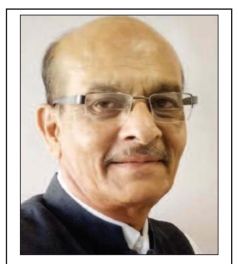
सनत जैन

अमेरिका, जो पूरी दुनिया में लोकतंत्र का प्रतीक माना जाता है, इन दिनों एक नए जन आंदोलन का साक्षी बन रहा है। नो किंग्स डे के रूप में इस विरोध आंदोलन में अमेरिका के सभी राज्यों के लगभग 70 लाख लोग सड़कों पर उतर आए। यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि सत्ता के अहंकार और लोकतांत्रिक मयार्दाओं के उल्लंघन के खिलाफ है। इस आंदोलन ने सारी दुनिया को चौंका दिया है। इस बार करीब 70 लाख से अधिक नागरिकों ने सड़कों पर उतरकर यह संदेश दिया है, लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी शक्तिशाली और लोकप्रिय क्यों न हो, वह जनता जनार्दन से बडा नहीं हो सकता है। दरअसल अमेरिका के दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले कई महीनो से यह आरोप लग रहा है, कि वह अमेरिका के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं। नियमो और कानून का उल्लंघन करके वह मनमाने निर्णय ले रहे हैं। उनका राजनीतिक व्यवहार अहंकार और बयानबाजी ने अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया में अमेरिका की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कटघरे में खड़ा कर दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को एक राजा या अभिजात नेता के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। अमेरिका के नागरिकों ने इस मानसिकता को पूरी तरह से नकारते हुए जबरदस्त विरोध करना शुरू कर दिया है।

नो किंग्स डे आंदोलन की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, यह किसी हिंसा या अराजकता का आन्दोलन नहीं है। बल्कि शांतिपूर्ण विरोध का प्रतीक बनकर सारी दुनिया के सामने यह आंदोलन है। लोग तख्तियां लिए, झंडे थामे, सड़कों पर उतरे, एक ही सुर में बुलंद आवाज में नारे और स्लोगन के माध्यम से कहा, ह्लट्रंप, तुम राजा नहीं हो।ह्व लोकतंत्र में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि हो। अमेरिका की जनता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर सजग है। ट्रंप ने इस आंदोलन को ह्लराजाओं की हरकतह्व बताकर आलोचना की है। इस प्रदर्शन के तुरंत बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लड़ाकू विमान उड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। विमान पर लिखा था, ह्लकिंग ट्रंपह्व यह दृश्य जितना व्यंग्यपूर्ण था, उतना ही प्रतीकात्मक भी था। इससे यह संदेश गया कि ट्रंप का राजनीतिक अंदाज अब लोकतांत्रिक आदर्शों, बेशर्मी ओर बेहआई के साथ अहंकार का प्रदर्शन कर रहा है। अमेरिकी जनता का यह जनजागरण बताता है, यायावर अमेरिका में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हैं। अमेरिका के नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर हमेशा सजग रहते हैं। जनता यह नहीं चाहती, कोई भी नेता संविधान और जनता की इच्छा से ऊपर उठकर खुद को शासक या राजा माने। अमेरिका की सड़कों पर उमड़ी यह भीड़ सिर्फ ट्रंप के खिलाफ नहीं, बल्कि तानाशाही सोच के खिलाफ शासको और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए एक चेतावनी भी है।

यह आंदोलन अमेरिका से दुनिया के उन लोकतांत्रिक देशों के लिए स्पष्ट संदेश है, लोकतंत्र में कोई राजा नहीं होता है। सिर्फ जनता ही शासक होती है। जनता ही अपने ऊपर नियंत्रण करने के लिए निर्वाचित ढंग से शासक चुनती है। जनता विश्वास करके अपने अधिकार अपने नेताओं को सौंपती है। जब नेता अपनी ही जनता के साथ विश्वासघात करने लगते हैं, ऐसी स्थिति में जब जनता जागती है, तो कोई भी शक्ति जनता की ताकत के सामने टिक नहीं पाती है। यही, लोकतंत्र की असली ताकत है। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों में जहां-जहां पर लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम है वहां पर इस तरीके का विरोध इस बात का प्रतीक है कि जब-जब लोकतंत्र में सत्ता में बैठे हुए लोग जनता के अधिकारों पर कुठाराघात करेंगे तब यह जनता स्वयं सड़कों पर आकर इसका विरोध करेगी। जनता जब तक विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को स्वीकार करती है तभी तक इनका अस्तित्व है। जब जनता इनका अस्तित्व नकार देती है, तब सड़कों पर यही दृश्य देखने को मिलते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि अमेरिका का इतना बड़ा आंदोलन पूरी तरह से शांतिपूर्ण था। महात्मा गांधी ने दुनिया में जो अहिंसा का संदेश और मार्ग दिखाया था अमेरिका इस मार्ग पर चलता हुआ दिख रहा है।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है-संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं-सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग-निमार्ता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरूआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे।

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200,000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी-'सहकार से समृद्धि'।

भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-'गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है।' उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था-'कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।' शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है।

गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है-वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं।

अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों-बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी। इसलिए शाह ने एक स्पष्ट निर्णय लिया कि प्रचार सामग्रियों पर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। आधुनिक राजनीति का चाणक्य कहें या फिर मोदी के भरोसेमंद सारथी, इसी खास सोच की वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह अमिट पहचान बन चुकी है।

अमित शाह को एक उत्कृष्ट संगठक और अभियान रणनीतिकार माना जाता है। उनके समर्थक उन्हें हिंदू धर्म का महान रक्षक मानते हैं, जबकि उनके आलोचक उन्हें एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत के रूप में देखते हैं। वह अपनी राजनीतिक कुशलता और जमीन से जुड़कर काम करने के लिए जाने जाते हैं। अमित शाह का राजनीतिक करियर उनके रणनीतिक कौशल, संगठन क्षमता और कठोर निर्णय लेने की प्रवृत्ति को दशार्ता है। एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर देश के गृह मंत्री तक का उनका सफर भारतीय राजनीति में उनके मजबूत प्रभाव का प्रमाण है। वह भविष्य में भी भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बने रहने की संभावना है। अमित शाह का व्यक्तित्व सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को सजीव करता है। जहाँ पटेल ने रियासतों का विलय किया, वहाँ शाह ने विचारों का एकीकरण किया। जहाँ पटेल ने लौह इच्छाशक्ति से भारत का नक्शा जोड़ा, वहाँ शाह ने अखंड भारत की भावना को राजनीतिक और सामाजिक धरातल पर साकार किया। उनके जीवन का सूत्रवाक्य रहा है-'व्यक्ति नहीं, राष्ट्र सर्वोपरि।' शाह ने राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखा तो 'काम रुके ना, देश झुके ना' के नारे के साथ विकास को भी उसमें जोड़ा। चुनौतियों से जूझने की उनकी छवि ही उन्हें जुझारू और लक्ष्य के प्रति जुनूनी बनाती रही है।

अमित शाह की कार्यशैली अनूठी एवं विलक्षण है, वे जब कोई काम हाथ में लेते हैं तो स्पष्ट लक्ष्य सामने होता है और उसके हिसाब से रणनीति पर काम करते हैं। भले नतीजे पक्ष में आए या खिलाफ, इसकी परवाह नहीं करते। उनका विजन स्पष्ट रहता है और नतीजों के बजाए काम करने पर फोकस रहता है। इसलिए मोदी-शाह की जोड़ी हर चुनाव को युद्ध के रुप में लड़ने के लिए जानी जाती है। शाह का मानना है कि संगठन को हमेशा 24 घंटे 365 दिन गतिशील रखना चाहिए। यह काम वे अपने पांच दशक के राजनीतिक सफर में, वार्ड के बूथ प्रभारी के तौर से करते रहे हैं। गीत-संगीत के शौकीन शाह निदा फाजली के प्रशंसकों में से हैं। खाने-पीने के शौकीन जरुर हैं, लेकिन संयमित और अनुशासित भोजन ही लेते हैं। अमित शाह केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक युग का नेतृत्व करने वाले कर्मयोगी हैं। उनकी राजनीति में चातुर्य नहीं, दृष्टि है; उनके निर्णयों में कठोरता नहीं, राष्ट्रभक्ति की गहराई है। चाहे सहकारिता का नवजागरण हो, सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण या कश्मीर का एकीकरण-हर क्षेत्र में उन्होंने यह सिद्ध किया है कि यदि नीयत सच्ची हो और दृष्टि व्यापक तो कोई भी परिवर्तन असंभव नहीं। भारत के इतिहास में अमित शाह उस विरल श्रेणी के नेता हैं जिनके कार्यों ने राष्ट्र की दिशा बदली है-वास्तव में वे आज के 'संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष' हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

डीएम - एसपी ने किया तिगरी गंगा मेला स्थल का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा गंगा तिगरी मेला की तैयारी का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर डीएम-एसपी ने प्रस्तावित ले आउट देखा और चल रहे कार्यों की प्रगति जानी। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि गंगा किनारे बनाए गए शौचालयों को तत्काल हटाते हुए दूसरी जगह बनाने के निर्देश दिए। मैन गंगा रोड की सड़क की गुणवत्ता खराब पाई गई जिस पर लोक निर्माण विभाग को सड़कों को कार्य गुणवत्तापरक तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्रद्धालुओं के रहने के लिए बनाए गए सेक्टर को समतल कराने के

निर्देश दिए। इसके साथ सेक्टर वाइज सड़के कटवाने के भी निर्देश पीडब्ल्यूडी को दिए। उपजिलाधिकारी धनौरा को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाए गए सेक्टर पर खड़े गन्ना को कल सांय तक कटवाना सुनिश्चित करें। पर्याप्त संख्य में बैरियर उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। जिला पंचायत को सेक्टर के प्रारंभ से अंत तक प्रकाश व्यवस्था 03 दिन में पूर्ण करने और जहां टेंट लगने हैं उन समस्त स्थानों पर शीघ्रता से टेंट लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने बन रहे घाटों का निरीक्षण किया और बाढ़खंड के अधिकारियों को घाटों का निर्माण सुरक्षात्मक उपायों को अपनाते हुए मजबूत बल्लियां लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तिगरी गंगा मेला को भव्य, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला में लाखों श्रद्धालु आते हैं। इसलिए, सभी अधिकारी समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से पूर्ण करें, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हों। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि मेले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। पुलिस के साथ-साथ पीएसी भी तैनात रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी नजर रखी जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुचारू रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया, बाढ़ खंड सहित संबंधित अधिकारी और कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उप जिलाधिकारी शैलेश कुमार दुबे की जनसेवाः समयबद्धता और संवेदनशीलता की मिसाल

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की सदर तहसील में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) शैलेश कुमार दुबे ने प्रशासनिक सेवा में एक नई मिसाल कायम कर दी है। कार्यालय पहुंचने के साथ ही जनता की समस्याओं को सुनना और उनका तत्काल निस्तारण करना उनकी पहली प्राथमिकता बन चुका है। एसडीएम दुबे सुबह 10 बजे अपने कार्यालय पहुंचे और बिना किसी विलंब के दर्जनों शिकायतकताओं की फरियाद सुनते है। यह नजारा न केवल स्थानीय निवासियों के लिए उत्साहजनक रहा, बल्कि जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों के लिए भी प्रेरणादायक साबित हुआ। दुबे ने बताया कि वे प्रतिदिन सुबह 10 से जन सुनवाई आयोजित करते हैं, जिसमें कोई भी व्यक्ति बिना अपॉइंटमेंट के अपनी समस्या रख सकता है। उनका मानना है कि जनता का विश्वास ही मजबूत शासन की कुंजी है। एसडीएम दुबे जैसी व्यक्तिगत संवेदनशीलता ही असल परिवर्तन लाती है। उम्मीद है कि यह प्रयास जारी रहेगा और जनता को न्याय मिलता रहेगा।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जन चौपाल का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-5.0) 17 अक्टूबर को (मेगा इवेन्ट) महिला कल्याण विभाग द्वारा प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन द्वारा निर्गत मिशन शक्ति (फेज-05) की कार्य योजना 17 अक्टूबर से 03 नवंबर तक जागरूकता चौपाल आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं। तत्क्रम में जिलाधिकारी के नेतृत्व/निर्देशन में जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार मंगलवार को जनपद अमरोहा ब्लॉक - जोया, रामपुर घना में जागरूकता चौपाल

का आयोजन किया गया जिसमें घरेलु हिंसा एवं दहेज उन्मूलन विषय पर चर्चा करते मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, एवं स्पॉन्सरशिप योजना ,निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। इस अवसर पर करुणा निधि, अनुराधा भारती आदि उपस्थित रहे।

पुलिस लाइन में किया गया पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद व अन्य पुलिस अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस के अमर शहीद जवानों को श्रद्धा-सुमन / पुष्प चक्र अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। अपने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों की याद में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है। मंगलवार को पुलिस लाइन, में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया । इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद व अन्य पुलिस के अधिकारी/कर्मचारीयों द्वारा शहीद हुए जवानों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी । इस दौरान उपस्थित सभी पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगणो को पुलिस अधीक्षक द्वारा वर्ष 2024-2025 (एक वर्ष) में अपने कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुये उत्तर प्रदेश पुलिस के जवानों की शहादत के विषय में अवगत कराया गया एवं शहीद हुए पुलिस जवानों की आत्मिक शांति के लिए गार्द द्वारा सलामी देते हुए 02 मिनट का मौन धारण किया गया । पुलिस स्मृति दिवस हर वर्ष उन शहीद पुलिसकर्मियों की याद में मनाया जाता है जो अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा के साथ वहन करते हुये शहीद हो गये ।

इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा, समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य पुलिस एवं अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित रहे ।

धनौरा रोड पर सड़क हादसा,बाईक वह ई-रिक्शा की टक्कर में चार लोग घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- धनोरा रोड पर बाइक व ई रिक्शा की टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनको सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस के चालक ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने एंबुलेंस चालक के खिलाफ जमकर हंगामा किया।

बता दें कि ये घटना बछरायूं थाना क्षेत्र के गांव जोगीपुरा के निकट की है, बताया जा रहा है कि कस्बा बछरायूं के मोहल्ला नखास निवासी गौरव कुमार और अमन कुमार बाइक से गजरौला जा रहे थे, जैसे ही वह

गांव जोगीपुरा के सामने पहुंचे तो सामने से आ रही ई रिक्शा से उनकी जोरदार टक्कर हो गयी, ई रिक्शा में बछरायूं के मोहल्ला पीरजादगान के रहने वाले शाहरुख और अरमान सवार थे। हादसे में चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क पर हादसा होते ही आने जाने वाले लोगों की मौके पर भीड़ लग गई। वहीं सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल भेजा। गौरव की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। जिन्होंने सरकारी एंबुलेंस चालक पर घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराने का आरोप लगाते हुए हंगामा काटना शुरू कर दिया। इस मामले में थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी प्राप्त हुई थी लेकिन हादसे का यह घटनाक्रम दूसरे थाना क्षेत्र का था।

अमरोहा जिला अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट (एमएस) डॉ. चरन सिंहः मरीज सेवा में समर्पित योद्धा

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के जिला अस्पताल में तैनात मेडिकल सुपरिंटेंडेंट (एमएस) डॉ. चरन सिंह एक ऐसे नाम हैं, जिनका उल्लेख होते ही स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में समर्पण और निष्ठा की मिसाल कायम हो जाती है। डॉ. चरन सिंह, जो पिछले कई वर्षों से इस अस्पताल की कमान संभाल रहे हैं, मरीजों की सेवा में सदैव तत्पर रहते हैं। उनके नेतृत्व में अस्पताल न केवल चिकित्सा सुविधाओं का केंद्र बना है, बल्कि एक आदर्श कार्यस्थल के रूप में भी विकसित हुआ है। डॉ. चरन सिंह का जन्म मुरादाबाद जिले के खुशहाल पुर गांव के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्होंने चिकित्सा के प्रति गहरी रुचि दिखाई। एमबीबीएस की डिग्री हासिल की और विभिन्न अस्पतालों में सेवा की। 2013में अमरोहा जिला अस्पताल के एमएस के पद पर तैनाती के बाद से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनके अनुसार, "डॉक्टर का कर्तव्य केवल दवा देना नहीं, बल्कि मरीज के दर्द को अपना दर्द बनाना है।" यह दर्शन ही उनकी कार्यशैली का मूल मंत्र है।मरीजों की देखभाल में डॉ. सिंह की भूमिका अतुलनीय है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरे देश में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा रही थी, तब अमरोहा अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड को डॉ. सिंह ने स्वयं संभाला। उन्होंने रात-दिन मरीजों की निगरानी की, ऑक्सीजन की कमी न हो इसके लिए जिला प्रशासन से समन्वय किया और सैकड़ों जिंदगियां बचाईं। एक बुजुर्ग मरीज रमेश चंद्र बताते हैं, "डॉ. साहब ने मेरी बेटी की जान बचाई। वे रात के 2 बजे भी फोन पर उपलब्ध रहते हैं। डॉ. सिंह केवल मरीजों तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने डॉक्टरों और स्टाफ की ड्यूटी व्यवस्था को पारदर्शी और कुशल बनाया। पहले ड्यूटी रोस्टर में भ्रम की स्थिति थी, जिससे स्टाफ थकान महसूस करता था। डॉ. सिंह ने मासिक रोस्टर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की। अब हर कर्मचारी को अपनी शिफ्ट की पूर्व सूचना मिल जाती है, जिससे कार्यक्षमता बढ़ी है। स्टाफ नर्स सुरभि, सोनिका, रेनू कहती हैं, "एमएस साहब हमें परिवार का सदस्य मानते हैं। वे हमारी समस्याएं सुनते हैं और समाधान करते हैं।" इसके अलावा, उन्होंने ट्रेनिंग सेशन आयोजित कर स्टाफ को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों से परिचित कराया, जिससे अस्पताल की दक्षता में सुधार हुआ।पर्यावरण संरक्षण में भी डॉ. सिंह की भूमिका सराहनीय रही है। अस्पताल परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए उन्होंने 'हरित अस्पताल अभियान' शुरू किया। परिसर में 5000 से अधिक पेड़ लगाए गए, जिनमें नीम, पीपल और आम, अमरूद, सागोन, गुलाब, तुलसी जैसे औषधीय पौधे प्रमुख हैं। प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत डिस्पोजेबल सामग्री का उपयोग बंद कर पुनर्चक्रण योग्य विकल्प अपनाए गए। विश्व पर्यावरण दिवस पर अस्पताल में जागरूकता शिविर लगाकर मरीजों और परिजनों को हरित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिला वन अधिकारी के अनुसार, "डॉ. सिंह का यह प्रयास अन्य अस्पतालों के लिए मॉडल है।" डॉ. चरन सिंह के नेतृत्व में अमरोहा जिला अस्पताल ने कई पुरस्कार भी जीते हैं। उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग से 'सर्वश्रेष्ठ जिला अस्पताल' का सम्मान प्राप्त हुआ, जो उनकी मेहनत का फल है। जिला मजिस्ट्रेट ने भी उनकी प्रशंसा करते हैं हुए कहा, "डॉ. सिंह जैसे अधिकारी स्वास्थ्य सेवा को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।" डॉ. चरन सिंह का जीवन एक प्रेरणा है। वे सिद्ध करते हैं कि सच्ची सेवा पद और सुविधाओं से ऊपर होती है। अमरोहा के निवासी उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि ऐसे समर्पित चिकित्सक सदैव इस क्षेत्र को रोशन करते रहें। स्वास्थ्य सेवा के इस योद्धा को सलाम!

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा व स्मारक का पालिका टीम ने किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष शशि जैन व उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा आज नगर पालिका परिषद अमरोहा बनवायी जा रही राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा व स्मारक का पालिका टीम के साथ निरीक्षण किया व मौके पर मौजूद संबंधित कार्मिक व कार्यदाई फर्म को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जानकारी देते हुए पालिका के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की मुख्यमंत्री के प्रदेश के नगरो के कायाकल्प कार्यक्रम के अंतर्गत एवं

नगर विकास मंत्री के नगर सुशोभन कार्यक्रम की प्रेरणा से अमरोहा नगर को स्वच्छ व सुन्दर बनाये जाने के लिए विभिन्न पार्को, चौक -चौराहो, मार्गो, स्थानों का काया कल्प किया गया है तथा विभिन्न स्थानों पर सुन्दर स्मारक, वाटर फॉल आदि बनवाये गए हैं। इसी क्रम मे अध्यक्ष के निर्देश पर रेलवे स्टेशन के निकट स्थित महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा जो काफी पुरानी एवं क्षीर्ण अवस्था मे थी। पालिका द्वारा उक्त क्षेत्र का कायाकल्प कराया जा रहा है इसी क्रम मे महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा एवं स्मारक को नया एवं आधुनिक स्वरुप मे निर्मित कराया गया है। कार्यदाई संस्था द्वारा इसका कार्य पूर्ण कर दिया गया है। अध्यक्ष शशि जैन के साथ महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा का अवलोकन एवं कार्य का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। शीघ्र ही महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा एवं स्मारक का अनावरण कर नगर को समर्पित किया जायेगा।

बाजार में महंगाई की मार, भैया दूज से पहले गोला 400 रुपये

अमरोहा (सब का सपना):- भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक पर्व भैया दूज से ठीक पहले बाजार में महंगाई की मार पड़नी शुरू हो गई है। परंपरा के अनुसार इस पर्व पर बहनें अपने भाइयों को तिलक करने के बाद गोला भेंट करती हैं। लेकिन इस बार गोला की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे आम लोगों की जेब पर भारी बोझ पड़ रहा है। बाजार में गोले का भाव 400 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है। उच्च गुणवत्ता वाले गोले की खुदरा कीमतें इस वर्ष 350 से 400 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच चुकी हैं, जबकि मध्यम गुणवत्ता का गोला भी 300 से 320 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास बिक रहा है। गोले की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने आम उपभोक्ताओं में निराशा पैदा

कर दी है। एक ग्राहक ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भैया दूज पर गोला भेंट करना एक पुरानी परंपरा है। पहले यह एक सामान्य उपहार होता था, लेकिन अब 400 रुपये किलो में इसे खरीदना मध्यम वर्ग के लिए एक चुनौती बन गया है। महंगाई ने त्योहारों की खुशी को भी फीका कर दिया है।

आरडीएच फाउंडेशन कर रहा गरीब परिवारों की मदद

हर दिन गांव गांव जाकर गरीब परिवारों में जरूरत के अनुसार सामान वितरित

हापुड (सब का सपना):- आरडीएच फाउंडेशन परिवार के द्वारा ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र तक गरीबी मिटाने का निर्णय लिया गया है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीब परिवारों के लिए आवश्यकता अनुसार सामान वितरित किया जाता है। जिसमें वाशिंग मशीन, फ्रिज, कूलर, एसी, सिलाई मशीन, घर का राशन, शिक्षा सामग्री, कपड़े, नगद राशि भी आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों में दी जाती है। इतना ही नहीं आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा गरीब परिवारों को मकान बनाने के लिए भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। आरडीएच फाउंडेशन के द्वारा हर दिन गरीबी मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में आरडीएच फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा

एनजीओ परिवार के मेंबर गीता सैनी को 11500 रुपए का सैमसंग मोबाइल देकर उन्हें आर्थिक सहयोग दिया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित सिंह उपराष्ट्रपति अध्यक्ष रोहित राजपूत राष्ट्रीय सलाहकार रतन सिंह, राष्ट्रीय सचिव मोहित चौहान,राष्ट्रीय निर्देशक बरन सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक मांगे सिंह, राष्ट्रीय निर्देशक अशोक सिंह ,राष्ट्रीय निर्देशक कैलाश , दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार, दिल्ली सलाहकार कुलदीप सिंह , दिल्ली महिला प्रदेश अध्यक्ष जौली चौहान, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष राकेश चौहान उप उतर प्रदेश अध्यक्ष मोनू चौहान पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष रोहित सिंह, पश्चिम उप उत्तर प्रदेश अध्यक्ष हीर प्रकाश गुप्ता मेरठ महिला अध्यक्ष अनीता केवट, मेरठ जिला अध्यक्ष सविता प्रजापति, हापुड़ जिला अध्यक्ष सतपाल सिंह, उतर प्रदेश महिला अध्यक्ष रीना राजपूत अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष राजपाल सिंह उप अलीगढ़ मंडल अध्यक्ष मनीष राजपूत ग्राम अध्यक्ष छोटी अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष अंजली राजपूत ग्राम अध्यक्ष सायपुर सरिता देवी, हापुड़ महिला अध्यक्ष बिजेंद्री देवी बागपत जिला अध्यक्ष सुंदरी शर्मा, गजरौला अध्यक्ष विकास चौहान, हसनपुर अध्यक्ष नरेश सिंह, समलल अध्यक्ष दिनेश सिंह,उप हापुड़ जिला अध्यक्ष हरि शरण प्रजापति, मध्य प्रदेश अध्यक्ष निशु चौहान, गोरखपुर मंडल अध्यक्ष बृजलाल कीर्ति माला , उप मध्य प्रदेश मुकेश वर्मा, गाजियाबाद जिला अध्यक्ष प्रेम चंद सिंह, बुलन्दशहर महिला जिला अध्यक्ष हेमलता,उप बुलन्दशहर महिला अध्यक्ष अध्यक्ष पूनम चौहान, बागपत उपजिला अध्यक्ष रिंकी शर्मा, बागपत जिला अध्यक्ष राजीव शर्मा, ब्रजघाट अध्यक्ष नरेश कुमार, ग्राम सिलपुर अध्यक्ष प्रीती चौहान, तालिश अध्यक्ष अमित चौहान, लोनी ताशील अध्यक्ष अनिल कुमार, बाबूगढ़ महिला अध्यक्ष गुड़िया सिंह, बाबूगढ़ अध्यक्ष हरीश कुमार , मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष जाकिर खान, मुरादाबाद जिला अध्यक्ष संदीप चौहान अमरोहा जिला अध्यक्ष आकाश चौहान रामपुर जिला अध्यक्ष आलोक चौहान महाराष्ट्र महिला अध्यक्ष पूजा चौहान गुलाबटी अध्यक्ष फरीन, गीता सैनी मौजूद रहे।

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प, पुलिस पर भी हमला,तीन आरोपी गिरफ्तार

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना धनारी क्षेत्र के ग्राम सुनवर सराय में सोमवार को दो पक्षों के बीच आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और लाठी-डंडे, सरिया, ईंट-पत्थर से हमला किया, जिससे गांव में अफरा-तफरी मच गई। भय के मारे ग्रामीण अपने घरों में छिप गए और खिड़की-दरवाजे बंद कर लिए। भगदड़ में लोगों के जूते-चप्पल तक छूट गए।पुलिस के मुताबिक, प्रथम पक्ष के देवकी पुत्र मोती, महावीर पुत्र मोती, जगदीश पुत्र महावीर, अशोक पुत्र महावीर, बनवारी पुत्र भुल्लर और द्वितीय पक्ष के सूबेदार पुत्र भूप सिंह, बिजनेश पुत्र जयपाल, विनेश पुत्र जयपाल, राजू पुत्र जयपाल, निहाल पुत्र भूप सिंह, सुनील उर्फ चीटा पुत्र जीतपाल सहित अन्य लोग इस झड़प में शामिल थे। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंचे उपनिरीक्षक अशोक कुमार और उनकी टीम पर भी उपद्रवियों ने ईंट-पत्थर फेंके, जिससे पुलिस बाल-बाल बची। गंभीर स्थिति को देखते हुए थानाध्यक्ष ने अतिरिक्त पुलिस बल भेजा। पुलिस के पहुंचने पर दोनों पक्षों के कई लोग मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में राजू, विनेश और महावीर को मौके पर पाया गया, जिन्हें इलाज के लिए एम्बुलेंस से सीएचसी बहजोई भेजा गया। मंगलवार को थाना धनारी में दोनों पक्षों के 11 लोगों—देवकी पुत्र मोती, महावीर पुत्र मोती, जगदीश पुत्र महावीर, अशोक पुत्र महावीर, बनवारी पुत्र भुल्लर, सूबेदार पुत्र भूप सिंह, बिजनेश पुत्र जयपाल, विनेश पुत्र जयपाल, राजू पुत्र जयपाल, निहाल पुत्र भूप सिंह, और सुनील उर्फ चीटा पुत्र जीतपाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने देवकी पुत्र मोती, जगदीश पुत्र महावीर और बिजनेश पुत्र जयपाल को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत जनपद सम्भल में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के नेतृत्व में जनपद के सभी थानों की एंटी-रोमियो टीमों और महिला पुलिसकर्मियों ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक किया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्रों में चौपालों का आयोजन कर बालिकाओं को उनकी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पम्पलेट वितरित किए गए। इन पम्पलेटों के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना आदि की जानकारी दी गई। साथ ही, पुलिस विभाग द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, और एम्बुलेंस सेवा 108 के बारे में विस्तार से बताया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने मोबाइल पर पैनिक बटन और इमरजेंसी कॉल के उपयोग का डेमो भी प्रदर्शित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार ने कहा, मिशन शक्ति का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित और सशक्त वातावरण प्रदान करना है। हमारा प्रयास है कि हर महिला अपनी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक हो और समाज में आत्मनिर्भर बने। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने बताया कि जनपद की सभी थाना पुलिस और एंटी-रोमियो टीमें इस अभियान को पूरे समर्पण के साथ लागू कर रही हैं, ताकि महिलाओं और बालिकाओं के बीच विश्वास और सुरक्षा की भावना स्थापित हो सके।

फर्जी आईडी कार्ड से धोखाधड़ी करने वाला शख्स पुलिस ने किया गिरफ्तार

संभल(सब का सपना):- थाना रायसत्ती पुलिस ने फर्जी आईडी कार्ड बनाकर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम नफीस खान (43 वर्ष), पुत्र रफीक खान, निवासी ग्राम अकरौली, थाना बनियाठेर, जिला संभल, है। यह कार्रवाई विकास कुमार, पुत्र राजेंद्र सिंह, निवासी ग्राम धामपुर, थाना एचोडा कम्बोह, जिला संभल की शिकायत के आधार पर की गई, जिसमें उन्होंने अपनी सास तारावती के जमीन संबंधी प्रार्थना पत्र के मामले में धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। पुलिस पूछताछ में नफीस खान ने खुलासा किया कि वह कस्बा बहजोई में डीएम ऑफिस के सामने मेन रोड पर एक कंप्यूटर की दुकान पर काम करता है। वह दुकान पर प्रार्थना पत्र टाइप करवाने आने वाले लोगों के आवेदन की एक प्रति अपने पास रख लेता था। इसके बाद, आवेदन में लिखे मोबाइल नंबर पर फोन करके खुद को देवराज ठाकुर के फर्जी नाम से पेश करता और काम कराने के बदले पैसे की मांग करता था। नफीस ने बताया कि उसने विकास कुमार की सास के जमीन संबंधी मामले में 20 अक्टूबर को फोन कर खुद को देवराज ठाकुर बताया और कहा कि उनका प्रार्थना पत्र उसके पास जांच के लिए है। उसने विकास को तत्काल एसडीएम कोर्ट, संभल बुलाया और काम कराने के नाम पर 3,000 रुपये ऐंठ लिए। नफीस ने यह भी स्वीकार किया कि उसने 'एंटी करप्शन ऑफ इंडिया' और 'हाईकोर्ट ऑफ जूडिकेचर एट इलाहाबाद' के फर्जी आईडी कार्ड बनवाए थे, जिन्हें वह अपनी पहचान के रूप में इस्तेमाल कर लोगों के साथ धोखाधड़ी करता था। थाना रायसत्ती पुलिस ने अभियुक्त की गिरफ्तारी के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने फर्जी आईडी कार्ड और अन्य साक्ष्य बरामद किए हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

पुलिस ने किया साइबर ठगी का खुलासा, पीड़ित को दिलाए 15,000 रुपये वापस

हयातनगर/सम्भल(सब का सपना):- थाना हयातनगर पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित नफीस पुत्र अब्दुल कय्यूम, निवासी ग्राम लहरा कमंगर, थाना हयातनगर, जनपद सम्भल को ठग लिए गए 15,000 रुपये वापस दिलवाए। पीड़ित नफीस ने एन.सी.आर.पी. पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर खुद को उनका रिश्तेदार बताकर और यह कहकर कि वह अस्पताल में भर्ती है, तत्काल 15,000 रुपये की आवश्यकता होने की बात कही। इस झांसे में आकर नफीस ने उक्त राशि ठग के खाते में ट्रांसफर कर दी।
पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा (नोडल साइबर क्राइम), अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, और क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार भाटी के कुशल निर्देशन में साइबर सेल प्रभारी वरिष्ठ उपनिरीक्षक दिनेश कुमार ने अपनी टीम के साथ मामले की गहन जांच की। जांच में पाया गया कि ठगी की राशि हरियाणा ग्रामीण बैंक के खाताधारक बासिद खान पुत्र मोहम्मद हारुन, निवासी हिरवारी बामाठेरी, बड़ी मस्जिद, मेवात (हरियाणा) के खाते में ट्रांसफर की गई थी। पुलिस की सक्रियता और प्रभावी कार्रवाई के फलस्वरूप ठग द्वारा पीड़ित के 15,000 रुपये वापस कर दिए गए। सम्भल पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। पुलिस ने साइबर अपराधों के प्रति जनता को जागरूक रहने और अनजान कॉल्स पर भरोसा न करने की सलाह दी है। साइबर क्राइम से बचाव के लिए पुलिस की सलाह,अनजान नंबरों से आने वाले कॉल्स पर भरोसा न करें। किसी भी व्यक्ति को तुरंत पैसे ट्रांसफर करने से पहले उनकी पहचान की पुष्टि करें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन या एन.सी.आर.पी. पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

बहजोई में धूमधाम से मनाई गई दीपावली,दीपों की रोशनी और पटाखों की गूंज से जगमगाया शहर

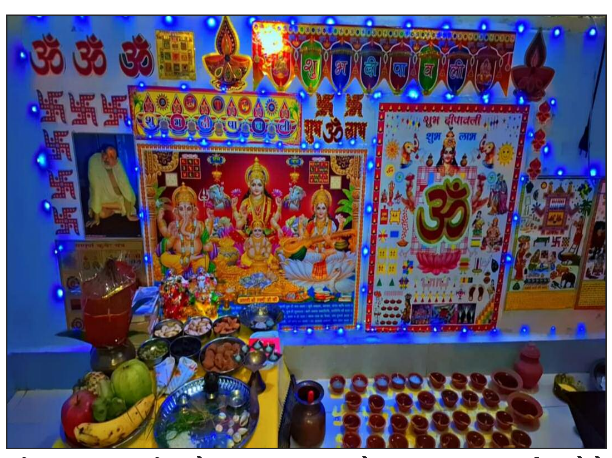

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई में दीपावली का पर्व पूरे हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर रोशनी और खुशियों से सराबोर हो उठा। घर-घर दीप जलाए गए, रंग-बिरंगी रंगोलियों से आंगन सजे, और लाइट्स की सजावट ने पूरे शहर को चमक से भर दिया। दीपावली की रात में पटाखों की आतिशबाजी ने उत्सव के जोश को और बढ़ा दिया, जिससे चारों ओर उत्साह का माहौल बन गया। स्थानीय निवासियों ने दीपावली की तैयारियों को कई दिनों पहले से शुरू कर दिया था। घरों को साफ-सफाई के साथ दीयों, फूलों, और रंग-बिरंगी लाइट्स से सजाया गया। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने मिलकर इस त्योहार को पूरे उत्साह के साथ मनाया। बाजारों में मिठाइयों, पटाखों, और सजावटी सामानों की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। दुकानों पर मिठाइयों और उपहारों की बिक्री ने बाजारों को और रौनक प्रदान की। रात होते ही आसमान में रंग-बिरंगे पटाखों की आतिशबाजी ने सभी का मन मोह लिया। कई परिवारों ने पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाते हुए कम प्रदूषण वाले (ग्रीन) पटाखों का उपयोग किया और दीयों की रोशनी को प्राथमिकता दी। बच्चों ने फुलझड़ियों और अनारों का आनंद लिया, जबकि बड़ों ने एक-दूसरे के साथ मिठाइयाँ और शुभकामनाएँ साझा कीं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने भी दीपावली के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए। शहर के प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की तैनाती रही, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस बार दीपावली का उत्सव न केवल खुशियों का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक एकता और आपसी भाईचारे को भी बढ़ावा देने वाला रहा। बहजोई के इस दीपोत्सव ने न केवल स्थानीय निवासियों के दिलों को रोशनी से भर दिया, बल्कि पूरे शहर को एकता और उमंग के रंगों में रंग दिया। यह चमक और उत्साह लंबे समय तक लोगों की यादों में बनी रहेगी।

पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीदों की याद में दो मिनट मौन रहकर किया गया नमन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए पुलिस जनों की याद में पुलिस लाइन्स बहजोई परिसर स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के नेतृत्व में पुलिस स्मृति दिवस परेड आयोजित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए । परेड में सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक द्वारा स्मृति दिवस के अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्तर-प्रदेश पुलिस द्वारा प्रेषित संदेश एवं गत वर्ष उत्तर-प्रदेश पुलिस के 2 शहीद पुलिस कर्मियों के कर्तव्य का विवरण पढ़कर सुनाया गया। तत्पश्चात शहीद स्मारक पर पुलिस अधीक्षक समेत सभी पुलिस कर्मियों द्वारा रीत,श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। इसी क्रम में सम्मान गार्द द्वारा बिगुल ध्वनि के साथ शोक परेड आयोजित करते हुए सलामी दी गयी तथा शहीदों की याद में 2 मिनट मौन रहकर नमन किया गया। पुलिस स्मृति दिवस परेड समारोह में अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सम्भल अनुकृति शर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) सम्भल कुलदीप सिंह , क्षेत्राधिकारी सम्भल आलोक भाटी, क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ प्रदीप कुमार , क्षेत्राधिकारी चन्दौसी मनोज कुमार, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार व मुख्य अग्निशमन अधिकारी सम्भल व अन्य समस्त थानों व इकाइयों के अधिकारी, कर्मचारीयो द्वारा भी शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्प अर्पित कर नमन किया गया ।

दुआ के साथ समापन हुआ हजरत मुफ़्ती अजमल शाह कादरी का 64वां उर्स

सम्भल(सब का सपना):- मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम के संस्थापक हजरत मुफ़्ती अजमल शाह कादरी का 64वां उर्स पूरी शानो-शौकत के साथ मनाया गया। कुल शरीफ की तकरीब में हजारों अकीदतमंदों की भारी भीड़ जमा हो गई, जो हजरत की याद में नजराना पेश करने पहुंचे। कार्यक्रम का आगाज कुरआने पाक की तिलावत से कारी सलमान ने किया। लुकमान अजमली ने हम्द पढ़ाई, जबकि उजैर अजमली और उसामा अजमली ने नात-ए-पाक का नजराना पेश किया। सैफुल्लाह सुल्तानी और मुफ़्ती-ए-आजम कारी अलाउद्दीन अजमली ने मनकबत सुनाकर माहौल को और आध्यात्मिक बना दिया। ख्वाजा कलीम अशरफ सम्भली ने संबोधन में कहा, "मुफ़्ती अजमल शाह कादरी न केवल सम्भल शहर के, बल्कि पूरे हिन्दुस्तान के बड़े आलिम और मुफ़्ती थे। वे सदरुल अफाजिल हजरत सय्यद नईमुद्दीन मुरादाबादी के खास शागिर्द थे। उनके उस्ताद भी इस खुसूसी शागिर्द को बेहद नवाजते थे। आप हुजूर हाफिजे मिल्लत के उस्ताद रहे, और आपके साथ मजार के बराबर में मौलाना यूनुस साहब भी उनके उस्ताद रहे। यह बात हम अपनी तरफ से नहीं, बल्कि हाफिजे मिल्लत के छपे लेख और उनके इंटरव्यू से बता रहे हैं।" मुफ़्ती आलम नूरी ने कहा, "यह मरकज कल भी मरकज था, आज भी है और इंशाअल्लाह हमेशा रहेगा। कुछ लोग इसे खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, मरकज पर उंगली उठा रहे हैं। याद रखें, हमारी खामोशी का मतलब कमजोरी नहीं, बल्कि हम जवाब देने में सक्षम हैं।" बनारस से पधारे मुख्य वक्ता मुफ़्ती आसिफ मिस्बाही ने हजरत की तारीफ करते हुए कहा, "मुफ़्ती अजमल शाह बहुत बड़े विद्वान थे। मैं मॉरीशस में रहा, वहाँ भी लोग किसी मसले का हल हजरत के 'फतावा अजमलिया' से तलाश करते हैं। उन्हें कभी दुनियावी माल का लालच न रहा। आज से सौ साल पहले निजाम हैदराबाद ने उन्हें खत भेजा, हैदराबाद आने को कहा और 500 रुपये तनख़्वाह व चारमीनार पर सौ दुकानों का वादा किया। लेकिन शाह साहब ने सम्भल नहीं छोड़ा, अपने लोगों के लिए यहीं रहे और इल्म का मरकज बनाया। एक बार मदीना शरीफ में उन्होंने एक गैर-मुकललिद से अरबी में ही मुनाजिरा किया और उसे हरा दिया।" सलातो सलाम के बाद कारी तनजीम अशरफ अजमली ने मुल्क व कौम की सलामती के लिए दुआ कराई, जिसके साथ ही उर्स का समापन हुआ। पूरे कार्यक्रम की बेहतरीन व्यवस्था कारी वसी अशरफ और तकी अशरफ एडवोकेट ने संभाली। मोहल्ला खग्गू सराय के सरफराज अजमली और सुब्हान अजमली सहित बाकी लोगों की जानिब से उर्स में पहुंचे तमाम मेहमानों को लंगर खिलाया गया। कादरी नौशाही टीम और सरताज साहब की तरफ से चादर चढ़ाई गई। कार्यक्रम में सांसद सम्भल जियाउर रहमान बर्क, चेयरपर्सन पति चौधरी मुशीर, मुफ़्ती निसार रिजवी, मुफ़्ती गुलाम गौस अजहरी, सय्यद शामी मियाँ, सय्यद आमिर मियाँ, सय्यद माजिद मियाँ, सय्यद कलीम अशरफ, मुफ़्ती महबूब वास्ती, इमामे ईदगाह मौलाना जहीरुल इस्लाम, इमाम शाही ईदगाह मौलाना कारी राशिद रिजवी, मौलाना नूर आलम, मौलाना अहसान, मौलाना अब्दुल हफीज, मौलाना नईम, मौलाना शरीफ, मौलाना अनीस, कारी शुऐब अशरफी जियाई, कारी यूसुफ रजा, कारी अब्दुल वकील, कारी जमशेद, कारी अहसान, कारी यजदानी, कारी आमिर, कारी मजहर, कारी गुलाम मुदस्सिर, कारी मुज्तबा हसन, कारी मुस्तफा हसन, मौलाना शमशाद, कारी हनीफ, कारी मुअज्जम सहित मुरादाबाद मण्डल, राजस्थान, बिहार, बंगाल से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मदरसा कमेटी से हाजी जफीर अहमद, सय्यद अब्दुल कदीर, फरीद एडवोकेट और हाजी नदीम ने सभी का शुक्रिया अदा किया। उर्स ने एक बार फिर सम्भल को सूफियाना रंग में रंग दिया, जो हजरत मुफ़्ती अजमल शाह कादरी की विरासत को जीवंत रखने का प्रतीक बना।

पुलिस ने आधे घंटे में आठ वर्षीय गुमशुदा बच्ची को तलाश कर परिजनों को सौंपा

कुढ़फतेहगढ़/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निदेर्शानुसार और अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) व क्षेत्राधिकारी चन्दौसी के कुशल मार्गदर्शन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के तहत सम्भल पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और मानवता का परिचय दिया। 21 अक्टूबर को ग्राम डारनी, थाना कुढ़फतेहगढ़ निवासी मुरारी पुत्र हरी सिंह ने थाने पर मौखिक सूचना दी कि उनकी 8 वर्षीय पुत्री विट्ठू, जो मानसिक रूप से कमजोर है, सुबह बिना बताए घर से कहीं चली गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र कुमार त्यागी के नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र आधे घंटे के भीतर बालिका विट्ठू को सकुशल तलाश कर लिया। बालिका को उनके पिता मुरारी के सुपुर्द कर दिया गया। इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए स्थानीय लोगों और मुरारी द्वारा सम्भल पुलिस की जमकर सराहना की जा रही है। मिशन शक्ति अभियान के तहत सम्भल पुलिस का यह प्रयास महिला एवं बालिका सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

चंदौली डैम से झरने जैसा गिरा पानी, 8 गेट खोले

27 जिलों में बारिश का अलर्ट, कल से ओले गिरेंगे

लखनऊ। यूपी में लौटता मानसून जमकर बरस रहा है। मौसम विभाग ने आज रविवार को 27 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 15 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। शनिवार को पूर्वी यूपी के 41 जिलों में झमाझम बारिश हुई। जबकि पश्चिम यूपी के सिर्फ 7 जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई। वाराणसी में 125 साल बाद अक्टूबर महीने में सबसे ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। प्रदेश में 1 से 4 अक्टूबर तक यूपी में 28.6 मिमी बारिश हुई।

हालांकि, मौसम विभाग ने सिर्फ 6.4 मिमी बारिश का अनुमान लगाया था। ऐसे में इन 4 दिनों में औसत से 346% ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के चलते चंदौली और मिजार्पुर में बांध ओवरफ्लो हो गए। चंदौली के लतीफशाह डैम के 8 गेट खोलकर कर्मनाशा नदी में 45 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। इससे नदी के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो गए। सोनभद्र के खुटहां गांव में एक दुकान में 8 फीट लंबा अजगर घुस गया। अजगर दुकान में काउंटर के नीचे छिपा था। वन विभाग की टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर मुक्खा पहाड़ी पर छोड़ा। वहीं, मिजार्पुर में अहरौरा बांध से पानी छोड़ा गया है। इसके बाद जमालपुर विकास खंड के 20 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के गांव औड़ी में भी पानी घुस गया। यूपी में इस साल मानसून के सीजन में (1 जून - 30 सितंबर) के दौरान सामान्य बारिश रही। पश्चिमी यूपी में 12 प्रतिशत अधिक यानी 752.5 मिमी बारिश हुई। पूर्वी यूपी में यह आंकड़ा 17 प्रतिशत कम यानी 666 मिमी. रहा। पूरे प्रदेश में 701.6 मिमी बारिश हुई, जो कि नॉर्मल 746.2 मिमी से 6 प्रतिशत कम है। मौसम विभाग का कहना है कि अक्टूबर में प्रदेश सामान्य से ज्यादा बारिश का अनुमान है। मिजार्पुर के अहरौरा डैम से छोड़े गए पानी के चलते चंदौली में गड़ई नदी उफान पर है। चकियाझ्नौगढ़ मार्ग जलमग्न हो गया है। राहगीर ठेले पर बाइक लादकर सड़क पार कर रहे हैं। बहराइच में 6 फीट लंबा मगरमच्छ रिहायशी इलाके में घुस गया। शनिवार रात सड़क पर बैठे मगरमच्छ को एक ग्रामीण ने देखा। इसके बाद गांव के लोग जुटे और वन विभाग को सूचना दी गई। थोड़ी देर बाद टीम पहुंची और मगरमच्छ को पकड़कर क्रेन की मदद से नाले में छोड़ दिया गया। कुशीनगर में बारिश का पानी बिजली घर में भर गया है, जिससे 100 से अधिक गांवों में पिछले 48 घंटे से लाइट नहीं आ रही है। रविवार सुबह से पंपसेट और वाटर टैंक की मदद से जल निकाला जा रहा है। ललितपुर में 15 मिनट से बारिश हुई। अब 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले 5 दिनों में कुल 10 मिमी तक बारिश होने की संभावना है। बहराइच के कतर्नियाघाट में सरयू नहर में एक डॉल्फिन कम पानी के बीच फंस गई। चौधरी चरण सिंह घाघरा बैराज के पास हुई। रविवार को वन विभाग और WWF की टीम ने डॉल्फिन को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। टीम ने डॉल्फिन को बैराज की ओर भगाने का प्रयास किया, लेकिन नहर में पानी कम होने के कारण उन्हें सफलता नहीं मिली। WWF के परियोजना अधिकारी दबीर हसन ने बताया कि दो दिन पहले बैराज पर सरयू नहर के सभी गेट बंद कर दिए गए थे। इसके कारण नहर में पानी का स्तर कम हो गया, जिससे डॉल्फिन फंस गई। फरुर्खाबाद के अमृतपुर इलाके के मजरा कोटियापुर में शनिवार रात 6 फीट का अजगर बरगद के पेड़ में मिला। ग्रामीणों ने विभाग को इसकी सूचना दी। फिर टॉर्च, लकड़ी और डंडे लेकर मौके पर पहुंचे। अजगर को पेड़ से बाहर निकालने की कोशिश की। हालांकि, अजगर बाहर नहीं निकला। बारिश के बाद चंदौली में पहाड़ी क्षेत्रों से बाधों में लगातार पानी पहुंच रहा है। डैम ओवरफ्लो हो गए। लतीफशाह डैम के 8 गेट खोलकर कर्मनाशा नदी में 45 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसके चलते तटवर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बबुरी क्षेत्र के करीब 7-8 गांवों में पानी घुस गया है। सोनभद्र में घोरावल के खुटहां गांव में एक दुकान में 8 फीट लंबा अजगर देखा गया। अजगर दुकान में काउंटर के नीचे छिपा था। सूचना पर वन्य जीवरक्षक अभिलाष कुमार वर्मा और वन दरोगा राजन मिश्रा वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने अजगर का रेस्क्यू किया। शनिवार सुबह अजगर को मुक्खा पहाड़ी पर सुरक्षित छोड़ दिया गया। मिजार्पुर में भारी बारिश के चलते अहरौरा बांध से पानी छोड़ा गया। इसके बाद जमालपुर विकास खंड के लगभग 20 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के गांव औड़ी में भी पानी घुस गया। चारों ओर पानी भरने से पास का हसौली गांव टापू में बदल गया। मिजार्पुर में हो रही झमाझम बारिश से चलते बांध का जलस्तर बढ़ने पर अहरौरा बांध और जरगो जलाशय का गेट खोल दिया गया है। पानी छोड़े जाने से कई मार्गों पर आवाजाही बंद कर दी गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर 4 अक्टूबर को कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। सिरसी बांध का जलस्तर बढ़ने पर सात फाटक खोले गए हैं। मिजार्पुर में पिछले दो दिनों लगातार बारिश से हो रही है। नदियों, तालाबों और बांधों का जलस्तर बढ़ गया है। सड़कों पर आवागमन बाधित है। अहरौरा-चकिया मार्ग भी बंद हो गया है। मदारपुर गांव के पास गड़ई नदी पर बने पुल पर गुरुवार शाम से ही पानी का तेज बहाव जारी है, जिससे पुल जलमग्न हो गया है। शुक्रवार सुबह से बांध के आठ गेट आठ इंच खोलकर लगभग 800 क्यूसेक पानी प्रति सेकेंड निकाला जा रहा है। लकुरा, बीबी पोखर, रेखईपुर दादो, हुसैनपुर और रतिगढ़ जाने वाले रास्ते भी पानी में डूब गए हैं, जिससे इन गांवों का संपर्क टूट गया है। चंदौली जिले के चकिया तहसील क्षेत्र के लतीफ शाह बांध से एक बार फिर पानी ओवरफ्लो होने लगा है। शुक्रवार को सुबह से शाम तक हुई मूसलाधार बारिश के बाद बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ा, जिससे शनिवार रात से पानी बहना शुरू हो गया। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता राकेश तिवारी ने बताया कि बांध से 11600 क्यूसेक पानी ओवरफ्लो हो रहा है। जिला प्रशासन ने बांध के आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। देवरिया जिले में रात से तेज हवा के साथ बारिश हो रही है। जिससे शहर की नालियां ओवर फ्लो होकर सड़क बह रही हैं। तेज हवा के चलते कई स्थानों पर पोल टूट गए। शहर से लेकर गांव तक रात से ही बिजली आपूर्ति ठप है। बारिश से सीएचसी लार में बाढ़ जैसा नजारा देखने को मिला। एक फीट पानी भरा है।

माकपा का जिला सम्मेलन आयोजित

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की जिला इकाई का एक दिवसीय सम्मेलन नगर के सपहा मार्ग स्थित एड. विजय कुमार श्रीवास्तव के आवास पर संपन्न हुई। जिसमें वक्ताओं ने आंधी व बारिश से बर्बाद धान और गन्ने की फसल का मुआवजा की मांग सरकार से की। रविवार को आयोजित जिला सम्मेलन में मुख्य अतिथि राज्य समिति सदस्य का0 सतीश कुमार ने केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का आह्वान किया। सम्मेलन में आंधी और बारिश से फसलों से हुई क्षति का मुद्दा छाया रहा। आम, सागौन के पौधे, मेले बड़ी संख्या में गिर गए हैं। किसानों को काफी क्षति हुई है। अध्यक्षता करते हुए जिला सचिव अयोध्या लाल श्रीवास्तव ने कहा कि भजपा सरकार संविधान, लोकतंत्र, धर्म निरपेक्षता भाई चारा में विश्वास नहीं करती। उन्होंने जन समस्याओं को हल करने के लिए संघर्ष करने पर जोर दिया। इस अवसर पर का0 विजय कुमार श्रीवास्तव, का0 गेंदा सिंह, दुर्गा प्रसाद यादव, का0 इदरीश सिद्दकी, होसिल, का0 केदार यादव, का0 कैलाश गिरी, का0 जवाहर शर्मा आदि मौजूद रहे।

बैश्य समाज कार्यालय पर पत्रकारों का डायरी भेंटकर सम्मान, संगठन मंत्री एन के ने दी बधाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के बहजोई स्थित बैश्य समाज कार्यालय में एक सराहनीय आयोजन के तहत समाजसेवी एवं संगठन मंत्री नरेंद्र कुमार एन के ने स्थानीय पत्रकारों का सम्मान किया। पत्रकारों को एक-एक डायरी भेंटकर उनके योगदान की सराहना की गई, जो समाज उत्थान में मीडिया की भूमिका को रेखांकित करता है। यह सम्मान समारोह बैश्य समाज के संगठनात्मक कार्य क्षेत्र के विस्तार का हिस्सा था, जिसकी स्थापना उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल 'नंदी' ने बैश्य समाज के उत्थान हेतु की है। मंत्री नंदी के नेतृत्व में गठित इस संगठन का उद्देश्य समुदाय की सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक प्रगति सुनिश्चित करना है। आयोजन के दौरान वक्ताओं ने बैश्य समाज की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समुदाय को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर बैश्य समाज के प्रमुख पदाधिकारी एवं पत्रकार बॉबी कुमार, अफसर अली, मनीष वार्ष्णेय (एमबी), तथा बबलू सैफी उपस्थित रहे। सभी ने संगठन मंत्री नरेंद्र कुमार एन के प्रयासों की प्रशंसा की और भविष्य के कार्यक्रमों के लिए प्रतिबद्धता जताई। बैश्य समाज के इस आयोजन ने न केवल पत्रकार बंधुओं को प्रोत्साहित किया, बल्कि समुदाय की एकता को भी मजबूत करने का संदेश दिया। स्थानीय स्तर पर ऐसे कार्यक्रम बैश्य समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होंगे।

लापता बच्चे का घर में शव मिला

झांसी। 8 साल के मासूम बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दादी उसे कमरे में खेलते हुए छोड़ गई थी। थोड़ी देर बाद लौटी तो बच्चा नहीं था। तलाश करने पर नहीं मिला तो पुलिस को बुलाया गया। लगभग 8 घंटे बाद शनिवार रात को घर के अंदर बने भूसा वाले कमरे में उसकी लाश मिली। बच्चे की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। हत्या कर लाश को भूसा वाले घर में फेंकने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूरा मामला लहचूरा थाना क्षेत्र के चकारा गांव का है। लहचूरा के चकारा गांव के रहने वाले राजवेंद्र का 8 साल का बेटा मुकेश गांव के सरकारी स्कूल में कक्षा तीन में पढ़ता था। शनिवार को वह स्कूल नहीं गया था। बच्चे के दादा राम श्रवण ने बताया कि राजवेंद्र अपनी पत्नी चंद्रमुखी के साथ खेत पर गया था। जबकि, मैं बकरी चराने और मेरी पत्नी शांति मोहल्ले में गई हुई थी। मुकेश घर पर अकेला था और खेल रहा था। दोपहर में दादी लौटकर घर आई तो मुकेश नहीं मिला।

चंदेश्वर शर्मा परवाना की कृति मेला का हुआ विमोचन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के साखोपार में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति, जनपद इकाई द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में राहुल सांकृत्यान सम्मान प्राप्त कविवर चंदेश्वर शर्मा परवाना की कृति मेला का विमोचन अतिथियों ने किया। रविवार को आयोजित पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए बीओसीडब्लयू बोर्ड सदस्य उप्र सरकार अभय प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि भोजपुरी कवि परवाना ने अपनी रचनाओं के माध्यम से कुशीनगर का मान देश विदेश में बढ़ाया है। इस तरह का आयोजन उदीयमान प्रतिभाओं को मंच देता है और उनकी प्रतिभा निखरती है। रचनाकार का सम्मान साहित्य सृजन के लिए प्रेरित करता है। इसलिए हमें कवियों की रचनाओं को पढ़ना चाहिए। प्रधानाचार्य अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि कवि परवाना ने भोजपुरी भाषा का संग्रह देकर पूरे समाज को गौरवान्वित किया है। किसान नेता गोबर्द्धन प्रसाद गोंड कहा कि रचना काफी कठिन काम है। सृजन का कार्य कर परवाना ने युवा रचनाकारों को प्रोत्साहित किया है। कवि दिनेश कुमार तिवारी भोजपुरिया ने मेला की समीक्षा करते हुए पुस्तक को गंवई परिवेश की उत्कृष्ट रचना बताया। दिनेश कुमार पाण्डेय डीके ने अपने संबोधन में कवि परवाना की रचनाओं को भोजपुरी लोक साहित्य की धरोहर बताया। कवि परवाना ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोक समृद्धि के लिए कवि एवं पत्रकार कार्य करें। गद्य लिखें, पद्य लिखें, नाटक लिखें और साहित्य मेला लगवाएं। कवि जनार्दन जी, अश्वनी द्विवेदी, आकाश महेशपुर, राम नरेश शर्मा, विश्व भोजपुरी मंच के जिलाध्यक्ष आरके भट्ट बावरा, डॉ अवधेश नन्द ने अपनी रचनाएं पढ़ी। अतिथियों का स्वागत अभा पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह, विनय कुमार उपाध्याय, दिनेश कुमार ओझा, विनोद तिवारी, ग्राम प्रधान शैलेश प्रताप नारायण सिंह, जिलाध्यक्ष हृदया नन्द शर्मा, असफाक अंसारी, विजय राव, आदित्य कुमार दीक्षित, संदीप मिश्रा, एहतेशाम मिंटू लारी, एड कुशल प्रताप सिंह, मस्तराज शर्मा, मुन्ना राय आदि ने श्री परवाना का माल्यार्पण किया और अंगवस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। काव्यात्मक संचालन डॉ घनश्याम तिवारी ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत रक्षा वाहिनी एसपी सिंह, चन्द्र भूषण पाण्डेय, संजय सिंह, आफताब आलम, मंतोष जायसवाल, दया शंकर सिंह, फेकू सिंह, ब्रह्मा सिंह, आशुतोष शर्मा सहित साहित्य मर्मज्ञ मौजूद रहे।

मानवता की सेवा और एकता का संदेश: हर शनिवार खिचड़ी का विशाल भंडारा

संवाददाता

ओबरा, सोनभद्र। श्रीराम सेवा समिति द्वारा शुरू किया गया साप्ताहिक खिचड़ी भंडारा अब समाज में आपसी सद्भाव और मानव सेवा की भावना को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गया है। यह पहल पत्रकार अजीत सिंह की एक छोटी सी संकल्पना के रूप में शुरू हुई, जिसका मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा और सच्ची एकता स्थापित करना है। समिति इस आयोजन के माध्यम से समानता और भाईचारे का सशक्त संदेश दे रही है। 4 सितंबर 2025 को ओबरा के सुभाष तिराहे पर स्थित हनुमान मंदिर में सातवें शनिवार खिचड़ी भंडारे का सफल आयोजन किया गया। यह धार्मिक और जनकल्याणकारी आयोजन हर शनिवार को शाम 5:00 बजे प्रारंभ होता है।

समिति का मुख्य ध्येय 'न कोई अमीर न कोई गरीब' की भावना को स्थापित करना है। भंडारे में क्षेत्र के गरीब और अमीर सभी लोगों ने एक समान रूप से भक्तिभाव से खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। समिति की यह विशेषता भेदभाव को मिटाकर सभी को एक साथ भोजन के लिए एक मंच पर लाती है, जिसकी स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की है। भंडारे में खिचड़ी वितरित करने के पीछे शनिवार की पुरानी परंपरा भी जुड़ी है। भारत के कई हिस्सों में शनिवार को खिचड़ी खाने की परंपरा है, जिसके पीछे धार्मिक, आयुर्वेदिक और व्यावहारिक कारण हैं। इसे सुपाच्य और शनिदेव से जुड़ी मान्यताओं के कारण शुभ माना जाता है। ओबरा में अब यह परंपरा सामुदायिक एकता का प्रतीक बन चुकी है। इस आयोजन को सफल बनाने में श्रीराम सेवा समिति के प्रमुख सदस्यों का सेवा और समर्पण का भाव सराहनीय रहा। समिति के सदस्यों ने एकजुट होकर प्रसाद बनाने से लेकर शांतिपूर्ण वितरण और पूरी व्यवस्था बनाए रखने तक, सभी जिम्मेदारियाँ निभाईं।

इस नेक पहल की शुरूआत अजीत सिंह ने की, और उन्हें सहयोग देने वाले अन्य समर्पित सेवकों में शामिल हैं।सरिता सिंह,पुष्पा सिंह,रणजीत तिवारी, रीता कुमारी,सर्वेश दुबे,ओमप्रकाश सिंह,अरविंद सिंह,आलोक पांडे,इन सभी के प्रयासों से भंडारे का आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हुआ और सामाजिक समरसता का भाव मजबूत हुआ।इस बार भंडारे में सहयोग देने वाले रोशन सिंह संकट मोचन झा और श्री राम सेवा समिति की टीम पत्रकार अजीत सिंह का मानना है कि जब मानव ही मानव की सेवा करेगा, तभी समाज में सच्ची एकता स्थापित हो पाएगी। उनके शब्दों में, यह आयोजन सिर्फ एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को एक साथ लाने और सबको एक का संदेश देने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। श्री राम सेवा समिति का यह निरंतर प्रयास क्षेत्र में सामुदायिक सेवा और धार्मिक सौहार्द की भावना को मजबूत करता है। स्थानीय लोगों ने इस निस्वार्थ सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा है कि यह आयोजन सामाजिक एकता और भाईचारे के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है।

संक्षिप्त डायरी

उत्तम मिश्रा के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकताओं ने कांग्रेस (इंटक) के सीनियर सेक्रेटरी बाबर सलीम पासा का डाला शहीद स्थल पर किया भव्य स्वागत

संवाददाता

डाला (सोनभद्र)। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के सीनियर सेकेट्ररी एनटीपीसी/ पावर ग्रिड फेडरेशन के अध्यक्ष एवं सेन्ट्रल लीडर बाबर सलीम पासा एनटीपीसी रिहंद नगर बीजपुर के पूर्व यूनियन लीडर आर.के. मिश्र (रामू मिश्र) के साथ एनटीपीसी रिहंद नगर इंटक यूनियन के चुनावी सिलसिले में शामिल होने जा रहे थे जिसकी सूचना डाला सीमेंट फैक्ट्री श्रमिक संघ (इंटक) यूनियन लीडर उत्तम मिश्रा को हुई तुरंत डाला शहीद स्मारक पर अपने साथियों के साथ खड़े रहे सेन्ट्रल लीडर का माल्यार्पण कर स्वागत किया उन्होंने तत्पश्चात सेन्ट्रल लीडर ने डाला के वीर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया डाला सीमेंट फैक्ट्री के यूनियन लीडर ने कर्मचारीगण की समस्याओ का उल्लेख किया और निदान के लिए निवेदन किया सेन्ट्रल लीडर ने आश्वासन देते हुए इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी. संजीवा रेड्डी को मोबाईल द्वारा डाला सीमेंट के कर्मचारियों की समस्याओं का उल्लेख किया राष्ट्रीय अध्यक्ष ने डाला के कर्मचारीगण की समस्या का जल्द समाधान कराने आश्वासन दिया। सभी लोग एनटीपीसी रिहंद नगर के लिए रवाना हो गये। डाला इंटक से उत्तम मिश्रा के साथ दिलीप सिंह, राजेश कुमार, ऋषिराज पाठक , अवध राय, विनय सिंह, अतीश पाठक व अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजन शुक्ला समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव नियुक्त

संवाददाता

कुशीनगर। समाजवादी पार्टी के युवा मोर्चा समाजवादी लोहिया वाहिनी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जिले से एक नई आवाज को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला को समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव पद पर नामित किया गया है। यह नियुक्ति वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव द्वारा की गई है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजन शुक्ला ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में देश और प्रदेश में सामाजिक न्याय की जो लड़ाई लड़ी जा रही है, उसमें युवाओं की भागीदारी सबसे अहम है। मैं युवाओं को जोड़ने और संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक दूंगा। शुक्ला ने यह भी कहा कि वह अपने दायित्व को केवल पद नहीं, बल्कि एक आंदोलन के रूप में देख रहे हैं और पार्टी की नीतियों को हर तबके तक पहुंचाने का संकल्प लेते हैं। राजन शुक्ला को राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर समाजवादी पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह है। सपा जिलाध्यक्ष राम अवध यादव, पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह, पूर्व विधायक डा पीके राय,मु.इलियास अंसारी,पं.अजय शुक्ला ,वरिष्ठ नेता मधुरश्याम राय,राजेश प्रताप राव 'बंटी', संतोष तिवारी,विधानसभा अध्यक्ष विजय यादव, चंद्रजीत यादव, समसुल हक मंसूरी, कामरान अंसारी, मारकंडे त्रिपाठी, निरंजन सिंह समेत तमाम समाजवादी नेताओं ने हर्ष जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

खड़े कंटेनर में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, 4 की मौत

आगरा। आगरा-मथुरा हाईवे पर शनिवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़े कंटेनर में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ट्रक की केबिन में बैठी महिला, एक पुरुष, चालक और किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक की केबिन के परखच्चे उड़ गए और उसका अगला हिस्सा टूटकर हाईवे पर जा गिरा। ट्रक में बल्लियां भरी थीं, जो टक्कर के दौरान केबिन में बैठे किशोर के सिर में घुस गईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान ट्रक चालक विजेंद्र सिंह पुत्र नरेंद्र सिंह निवासी शैलाई फिरोजाबाद, रीमा ठाकुर पत्नी श्यामबाबू ठाकुर निवासी गोपालपुर शमशाबाद के रूप में हुई है। इसके अलावा एक बच्चा और एक अन्य व्यक्ति की भी मौत हुई है, जिनकी शिनाख्त अभी नहीं हो सकी है। वहीं, हादसे में घायल एक अन्य युवक को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। युवक की पहचान उपेंद्र निवासी भरतपुर के रूप में हुई है। वह ग्वालियर से परीक्षा देकर गुरुग्राम लौट रहा था। पुलिस के मुताबिक, हादसे का कारण ट्रक चालक का शराब के नशे में होना सामने आया है। ट्रक में बांस-बल्लियां भरी हुई थीं और वह तेज रफ्तार से सिकंदरा की ओर से मथुरा जा रहा था। जैसे ही वह रुनकता फ्लाईओवर से उतरा, वह लोहरे की पंक्चर की दुकान के पास खड़े कंटेनर से पीछे से जा टकराया। हादसे के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने रात करीब 2 बजे कंटेनर व ट्रक को कब्जे में लेकर चौकी में खड़ा कर दिया। एसीपी हरीपर्वत अक्षय संजय महाडिक ने बताया कि मृतक महिला और पुरुष मथुरा जा रहे थे। किशोर की पहचान अभी नहीं हो सकी है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि कैंटर के पीछे से अन्य वाहन एक बाद एक आधा दर्जन वाहन घुसते चले गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से केबिन तोड़कर मृतकों के शवों व घायलों को बाहर निकाला। हादसे के बाद हाईवे पर चीख पुकार के साथ अफरा तफरी मच गई।

संक्षिप्त समाचार

हमारी जेबें खाली करने आए हैं, भारतीयों पर अमेरिकी नेता के बिगड़े बोल, मचा खूब हंगामा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी लीडर चांडलर लैंगविन ने भारतीयों के खिलाफ सोशल मीडिया पर कई आपत्तिजनक पोस्ट किए हैं। इसे लेकर उन पर जमकर निशाना साधा जा रहा है। फ्लोरिडा के इस राजनेता की टिप्पणियों के खिलाफ सिटी काउंसिल ने निंदा प्रस्ताव पारित किया। रिपोर्ट के अनुसार, इस कदम के बाद लैंगविन को अब कोई भी एजेंडा तय करने से पहले सहमति लेनी होगी। साथ ही, उन्हें आधिकारिक बयान से रोक दिया गया है और समितियों से भी हटा दिए गए हैं। लैंगविन ने भारतीयों की सामूहिक रूप से निर्वासन की मांग की थी। उसने कहा कि कोई भी भारतीय यूएस की परवाह नहीं करता और वे केवल आर्थिक शोषण के लिए यहां हैं। चांडलर लैंगविन ने अपनी पोस्ट में भारतीयों पर अमेरिका का शोषण करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्टॉकटन हादसे का जिक्र किया, जहां भारतीय मूल के हरजिंदर सिंह पर गैरकानूनी यूटर्न के कारण तीन लोगों की मौत का आरोप है। 2 अक्टूबर को अपनी जन्मदिन की पोस्ट में लैंगविन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सभी भारतीयों के वीजा रद्द करने और उन्हें तत्काल निर्वासित करने की मांग की थी। उसने लिखा, आज मेरा जन्मदिन है और मैं चाहता हूं कि ट्रंप सभी भारतीय वीजा रद्द करें और उन्हें तुरंत निर्वासित करें। अमेरिका अमेरिकियों के लिए है। लैंगविन ने कहा कि भारतीय अमेरिकियों की जेब खाली करने के लिए यहां हैं। वे अमेरिका की संस्कृति में घुलमिल नहीं सकते। 18 अक्टूबर की पोस्ट में उन्होंने रूढ़िवादी हिंदुओं और भारतीयों का जिक्र किया जो उनकी निर्वासन की मांग का समर्थन करते हैं। हालांकि, बाद में लैंगविन ने साफ किया कि उनकी टिप्पणियां केवल अस्थायी वीजा धारकों के लिए थीं, न कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लिए। इन टिप्पणियों के बाद अमेरिका भर में भारतीय-अमेरिकी समूहों ने लैंगविन की कड़ी निंदा की है। उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है। इस विवाद ने यूएस में नस्लीय और आप्रवासी मुद्दों पर चल रही बहस को और तेज कर दिया है।

ब्रिटेन में सिख महिला से बलात्कार मामले में ऐक्शन, एक पुरुष और महिला गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स में सिख महिला के साथ बलात्कार मामले में एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। ओल्डबरी इलाके में पिछले महीने इस अपराध को अंजाम दिया गया था। माना जा रहा है कि ये घटना नस्लीय भेदभाव के कारण अंजाम दी गई। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां उसी काउंटी के हेल्सओवेन में महिला के साथ हुए रेप के सिलसिले में की गई हैं। बाद में दोनों आरोपियों को 20 वर्षीय ब्रिटिश सिख महिला के उत्पीड़न के मामले में भी गिरफ्तार किया गया। पिछले महीने की यौन उत्पीड़न की घटना में 2 श्वेत पुरुष हमलावरों ने पीड़िता से कहा था, तुम इस देश में नहीं हो, यहां से निकल जाओ। इस घटना ने सिख समुदाय में हड़कंप मचा दिया था। यूके की अपराध-निवारण संस्था क्राइमस्टॉपर्स ने इस नस्लीय रूप से प्रेरित बलात्कार के दोषियों की गिरफ्तारी और सजा के लिए जानकारी देने वालों के लिए 20 हजार पाउंड का इनाम घोषित किया था। ब्रिटिश सिख संगठनों ने भी सोशल मीडिया पर एकजुट होकर इस हमले के दोषियों की सजा के लिए कोई फुटेज प्रदान करने पर 10 हजार पाउंड के वित्तीय इनाम की पेशकश की थी।

यूनान ने सिनवार समर्थकों के प्रदर्शन पर लगाई रोक

तेल अवीव, एजेंसी। यूनान (ग्रीस) की पुलिस ने राजधानी एथेंस में हमास के पूर्व नेता याह्या सिनवार की स्मृति में आहूत प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया। यह कार्यक्रम शुक्रवार की रात एथेंस के सिंटाग्मा स्क्वायर में ग्रीक संसद और अज्ञात सैनिक स्मारक के सामने आयोजित होने वाला था, जिसे ही इसका पता चला सोशल मीडिया में हंगामा मच गया। इसके बाद, पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर गैदर फॉर गाजा और स्टैंड विद फिलस्तीन की ओर से आयोजित होने वाले कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया।

फरार एथलीटों के लिए इंटरपोल रेड नोटिस जारी करेगा श्रीलंका

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका उन एथलीटों की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल रेड नोटिस जारी करेगा, जो 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान बर्मिंघम से भाग गए थे और देश नहीं लौटे। कोलंबो के मुख्य मजिस्ट्रेट कोर्ट को शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। कोर्ट ने ब्रिटेन में अवैध रूप से रह रहे 10 एथलीटों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया है। श्रीलंका के खेल मंत्रालय की अपराध निवारण यूनिट ने कोर्ट को बताया कि इन एथलीटों के कारण सरकार को लगभग पांच करोड़ श्रीलंकाई रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ।

ट्रंप के खिलाफ सड़कों पर उतरे अमेरिकी, नो किंग्स प्रदर्शन में उमड़ी भारी भीड़

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में भयंकर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप और उनकी टीम के तानाशाही रवैए के खिलाफ यह तीसरा बड़ा प्रदर्शन हैं। आयोजकों के मुताबिक ट्रंप के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए पूरे अमेरिका में करीब 2600 जगहों पर यह प्रदर्शन हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। ट्रंप विरोधी समूह इस प्रोटेस्ट को नो किंग्स के नाम से संबोधित कर रहे हैं, तो वहीं ट्रंप के समर्थक इसे हेट अमेरिका प्रदर्शन बता रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में दिन के खत्म होने तक छोटे शहरों और कस्बों और यहां तक की कुछ विदेशी राजधानियों में भी इस तरह के प्रदर्शन होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि ट्रंप के खिलाफ आखिरी बड़ा प्रदर्शन जून में हुआ था। आयोजकों के मुताबिक उस प्रदर्शन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए थे। तब से लेकर अब तक ट्रंप ने काफी विवादास्पद फैसले किए हैं। ऐसे में इन प्रोटेस्ट में और भी ज्यादा लोगों के आने की उम्मीद है।

सड़कों पर उतरे लोग : रिपोर्ट्स के मुताबिक राजधानी वाशिंगटन की सड़कों पर उतरे अमेरिकी नागरिकों ने कैपिटल तक मार्च किया। रैली में कार्निवल जैसा महौल था। प्रदर्शनकारियों ने बैनर, अमेरिकी झंडे और गुब्बारे लिए हुए थे, और कुछ ने रंग-बिरंगे कपड़े भी पहने हुए थे। राजधानी वाशिंगटन के अलावा न्यूयॉर्क, बोस्टन, शिकागो और अटलांटा में भी नो किंग्स रैलियों में ट्रंप के खिलाफ भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वे लोकतंत्र और सच्चाई के लिए रैलियों में पहुंचे हैं। वह सत्ता के किसी भी अतिक्रमण के खिलाफ हैं। प्रदर्शन में शामिल होने आई स्टीफन केनी ने कहा, मैं अपने लोकतंत्र के लिए, अपने अप्रवासी पड़ोसियों के लिए, अपने समुदाय के लिए डरी हुई हूं। लोग अपने अधिकार खो रहे हैं। मेरे ट्रांस दोस्त अपनी जान को लेकर काफी डरे हुए हैं। ऐसे माहौल में मुझे लगा कि कम से कम मुझे यह तो करना ही चाहिए। वहीं, ट्रंप के चेहरे जैसा मास्क लगाए एक व्यक्ति ने कहा, मैं डीसी का एक गौरवान्वित नागरिक हूं। मैं नहीं चाहता कि असहमति को कुचलने के लिए सेना को शहरों के खिलाफ हथियारबंद किया जाए। मैं यहां पर काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं कि हम यहां विरोध करने की क्षमता रखते हैं। हजारों की तदाद में मौजूद लोगों ने समंदर के किनारे अपना विरोध जाहिर किया।

ट्रंप बोले- मैं राजा नहीं : अमेरिका के समयानुसार विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से ट्रंप की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि शुक्रवार को एक इंटरव्यू के दौरान ट्रंप ने कहा, वे मुझे राजा कह रहे हैं... मैं राजा नहीं हूं। नो किंग्स मार्च के मुख्य आयोजक, इंडिविजिबल की सह-संस्थापक लीह ग्रीनबर्ग के अनुसार, इन मार्चों का आयोजन लगभग 300 जमीनी स्तर के समूहों द्वारा किया गया है। रॉयटर्स के अनुसार, इन मार्चों को कई नेताओं का समर्थन प्राप्त है, जिनमें सीनेटर बर्नी सैंडर्स और अमेरिकी प्रतिनिधि अलेक्जेंड्रिया ओकासियो कोर्टेज एक डेमोक्रेट शामिल हैं।

ट्रम्प के कार्यकाल में तीसरा बड़ा विरोध प्रदर्शन राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में हुआ यह तीसरा बड़ा प्रदर्शन है। खास बात यह है कि इस वक्त अमेरिका में शट[डाउन लगा हुआ है। कई सरकारी सेवाएं ठप हैं। ट्रम्प प्रशासन के ताकतवर रवैये को लेकर संसद और न्यायपालिका के साथ टकराव बढ़ गया है। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनकारियों ने नाराजगी जताई प्रदर्शन में शामिल लोगों ने लोकतंत्र, न्याय और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। ह्यूस्टन में अमेरिकी मरीन कोर के पूर्व सैनिक डैनियल गेमेज ने कहा, मैं समझ नहीं पा रहा कि देश में अभी क्या हो रहा है।

इंडिविजिबल संगठन की को-फाउंडर लिया ग्रीनबर्ग ने कहा, शांति से विरोध जताना और यह कहना कि हमारे पास कोई राजा नहीं है, यही अमेरिकी लोकतंत्र की पहचान है।

न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में प्रदर्शनकारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया। पुलिस ने बताया कि कोई गिरफ्तारियां नहीं हुईं, जबकि पूरे शहर में 1 लाख से अधिक लोग शामिल थे। बोस्टन, फिलाडेल्फिया, अटलांटा, डेनवर, शिकागो और सिएटल में भी हजारों लोग इकट्ठा हुए। लॉस एंजिलिस के आसपास दर्जनों रैलियां हुईं। सिएटल में लोग शहर के स्पेस नीडल के पास एक मील लंबी परेड में शामिल हुए। सैन डिएगो में 25,000 से अधिक लोग शांतिपूर्ण प्रदर्शन में शामिल हुए।

अमेरिका की चेतावनी- फलस्तीनियों पर हमले की योजना बना रहा हमास, यह संघर्ष विराम समझौते का होगा सीधा उल्लंघन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) हमास को सख्त चेतावनी दी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसे जानकारी मिली है कि हमास गाजा में फलस्तीनी लोगों पर सुनियोजित हमले की तैयारी कर रहा है। अगर हमास ऐसा करता है तो यह इस्राइल के साथ हुए संघर्षविराम समझौते का सीधा और गंभीर उल्लंघन होगा। सात अक्तूबर को हमास के हमलों के दो साल तक चले युद्ध को खत्म करने में यह संघर्षविराम मददगार साबित हुआ है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसे भरोसेमंद खुफिया रिपोर्ट मिली हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि हमास संघर्षविराम का गंभीर उल्लंघन करने जा रहा है और इस बार यह हमला खुद उसके ही लोगों पर होगा। बयान में कहा गया, अमेरिका ने गाजा शांति समझौते की गारंटी देने वाले देशों को सूचित कर दिया है कि हमास की ओर से गाजा के लोगों पर हमले करके संघर्षविराम का उल्लंघन कर सकता है। इसमें कहा गया, फलस्तीनी लोगों पर यह सुनियोजित हमला संघर्षविराम समझौते का सीधा और गंभीर उल्लंघन होगा और इससे मध्यस्थता के जरिये अब तक जो प्रगति हुई है, वह भी खतरे में पड़ जाएगी। अमेरिका ने अन्य गारंटी देने वाले देशों के साथ मिलकर हमास से अपील की है कि वह ऐसे किसी भी कदम से पीछे हटे जो आम नागरिकों को खतरे में डाले या क्षेत्र में पहले से ही नाजुक शांति व्यवस्था को अस्थिर करे। बयान में कहा गया, गारंटी देने वाले देशों की अपील है कि हमास संघर्ष विराम की शर्तों का पूरी तरह पालन हो। अगर हमास यह हमला करता है, तो गाजा के लोगों की सुरक्षा और संघर्ष विराम की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने दोहराया कि अमेरिका आम नागरिकों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उसने यह भी कहा कि हमास की ओर से कोई भी आक्रामक कदम संघर्षविराम का उल्लंघन होगा और लंबे समय से चल रही।

पूर्व पीएम ओली ने किया एलान, आम चुनाव नहीं लड़ेगी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी 5 मार्च, 2026 को होने वाले आम चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। ओली के इस बयान पर राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने असंतोष जताया है। बौद्धिक समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ शनिवार को शीतल निवास में हुई बातचीत के दौरान राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि प्रमुख विपक्षी दल का चुनाव से दूर रहना लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए उचित संकेत नहीं है। बैठक में शामिल एक सहभागी ने अमर उजाला से कहा, राष्ट्रपति पौडेल ओली के उस निर्णय से असंतुष्ट थे, जिसमें एमाले ने आगामी चुनाव से दूर रहने की घोषणा की है। चर्चा के दौरान राष्ट्रपति पौडेल ने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त करने का निर्णय भी ओली की सिफारिश पर किया था।

ज्ञवाली व शाक्य ने जताया विरोध : ओली ने भले ही चुनाव में भाग न लेने का एलान किया, लेकिन उनकी इस घोषणा का उपाध्यक्ष युवराज ज्ञवाली और अष्टलक्ष्मी शाक्य ने विरोध किया। दोनों नेताओं ने कहा कि पार्टी को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से अलग नहीं रहना चाहिए। इसके चलते बैठक में कुछ समय के लिए हलचल मच गई।

काठमांडो के 5 संवेदनशील क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध : नेपाली प्राधिकारियों ने राजधानी काठमांडो के पांच संवेदनशील क्षेत्रों में दो महीने की अवधि के लिए विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध शनिवार से प्रभावी हो गए हैं। काठमांडो जिला प्रशासन कार्यालय द्वारा जारी नोटिस के अनुसार, राष्ट्रपति कार्यालय, सचिवालय, प्रधानमंत्री आवास, उपराष्ट्रपति आवास और नारायणहिती संग्रहालय के आसपास के क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं।

इन सभी पांच स्थानों पर विरोध कार्यक्रम, सभा, धरना, भूख हड़ताल व प्रदर्शन प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। नोटिस के अनुसार, इन संवेदनशील क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शन, सभाएं और जुलूस से कानून-व्यवस्था की स्थिति खतरे में पड़ सकती है और शांति भंग हो सकती है।

चेंग ली-वुन बनीं मुख्य विपक्षी पार्टी की अध्यक्ष, पांच उम्मीदवारों को हराया, नवंबर में संभालेगी पद

ताइपे, एजेंसी। ताइवान की मुख्य विपक्षी नेशनलिस्ट पार्टी ने शनिवार को एक कड़े मुकाबले के बाद पूर्व सांसद चेंग ली-वुन को अपना नया अध्यक्ष चुना। इस चुनाव में चीन की दखलंदाजी के आरोप लग रहे थे। चुनाव में एकमात्र महिला उम्मीदवार चेंग ली-वुन ने सबसे ज्यादा मत हासिल किए। वह खुद को एक बदलावकारी नेता के रूप में पेश कर रही थीं। उन्होंने ताइपे के पूर्व मेयर हाउ लुंग-बिन और चार अन्य उम्मीदवारों को हराया। यह पार्टी चीन के साथ करीबी संबंधों के लिए जानी जाती है और इसे केएमटी के नाम से भी जाना जाता है।

हालांकि, पार्टी को पिछले तीन बार के राष्ट्रपति चुनावों में आजादी समर्थक सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) से हार का सामना करना पड़ा है। फिर भी

केएमटी की ताइवान की राजनीति में मजबूत पकड़ बनी हुई है। पार्टी के पास संसद में इतनी सीटें हैं कि वह अपने सहयोगियों के साथ मिलकर बहुमत वाला गठबंधन बना सकती है। कुछ महीने पहले हुए पुनर्चुनाव में भी केएमटी को जीत मिली थी। यह चुनाव उस समय लाए गए कुछ कानूनों के खिलाफ विरोध के चलते हुए थे। ये कानून राष्ट्रपतिकी शक्तियों को कम करने और चीन के पक्ष में माने जा रहे थे। चेंग नवंबर में अपना पद संभालेंगी और उनके आने से यह तय होगा कि ताइवान चीन के साथ अपने संबंधों को किस दिशा में ले जाएगा। इसके अलावा, वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नीतियों पर भी असर डालेंगी। वह पार्टी की 2026 के स्थानीय चुनावों में अगुवाई करेंगी। साथ ही, पार्टी 2028 में राष्ट्रपति लाई चिंग-ते के खिलाफ भी उम्मीदवार उतारेगी। अपने चुनाव प्रचार के दौरान चेंग ने कहा था कि वह पार्टी को भेड़ से शेर बनाना चाहती हैं। उन्होंने राष्ट्रपति लाई के उस प्रस्ताव का विरोध किया जिसमें रक्षा बजट को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांच फीसदी करने की बात कही गई थी। खास बात यह है कि चेंग कभी खुद भी डीपीपी की सदस्य रह चुकी हैं। चुनाव जीतने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चेंग ने कहा कि पार्टी विदेश नीति में समानता, सम्मान और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों का पालन करेगी। उन्होंने कहा, हमें ताइवान को किसी संकट का कारण नहीं बनने देना चाहिए। दूसरा, हमें ताइवान को भू-राजनीति की बलि नहीं चढ़ने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी शांति बनाए रखने वाली पार्टी बनेगी। चीन की ताइवान को लेकर मौजूदा सरकार से खासतौर पर टकराव की स्थिति बनी हुई है। बीजिंग राष्ट्रपति लाई को अलगाववादी मानता है और कह चुका है कि अगर जरूरत पड़ी, तो वह ताइवान पर बल प्रयोग भी कर सकता है। हाल के वर्षों में चीन ने ताइवान पर सैन्य, राजनयिक और आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है ताकि वहां की सरकार को कमजोर किया जा सके।

राजनीतिक पार्टी बनाएगा नेपाल का जेन-जी समूह, लेकिन 2026 का चुनाव लड़ने पर डाला सस्पेंस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में के पी शर्मा ओली की सरकार को उखाड़ फेंकने वाला जेन-जी समूह अब राजनीतिक पार्टी बनाने की तैयारी में है। शनिवार को उन्होंने अपनी इस योजना की घोषणा की। हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह अगले साल होने वाले आम चुनावों में भाग लेंगे? इसका जवाब देते हुए समूह की तरफ से कहा गया कि जब उनकी कुछ मूलभूत शर्तें पूरी होंगी, तभी वह इसमें भाग लेंगे।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जेन-जी समूह के नेता मिराज धुंगाना ने अपने एजेंडे का खुलासा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि उनकी नई पार्टी का उद्देश्य नेपाल में जेन-जी की आवाज को एकजुट करना होगा। धुंगाना ने जोर देकर कहा कि 5 मार्च 2026 को प्रस्तावित आगामी चुनाव में उनकी पार्टी की भागीदारी सरकार द्वारा विशिष्ट मांगों को पूरा करने पर निर्भर होगा। इतना ही नहीं उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि फिलहाल उनकी पार्टी एक बेहतर नाम के लिए सुझाव एकत्र कर रही है।

जेन-जी समूह की दो प्रमुख मांगें : आपको बता दें नेपाल के जेन-जी समूह की प्रमुख दो मांगों में, प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित कार्यकारी प्रणाली की शुरुआत और विदेशों में रहने वाले नेपाली नागरिकों को मतदान का अधिकार देना शामिल है। इसके अलावा धुंगाना ने भ्रष्टाचार नियंत्रण के लिए एक नागरिक नेतृत्व वाली जांच समिति के गठन और आर्थिक परिवर्तन पर स्पष्ट नीति अपनाने पर जोर दिया। धुंगाना ने कहा, हम सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए संघर्ष करते रहेंगे। जेन-जी युवाओं का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए।

धुंगाना ने सुझाए नेपाल को आगे बढ़ाने के रास्ते : इसके अलावा धुंगाना ने रोजगार की वजह से देश छोड़कर जाने वाले युवाओं पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नेपाली युवाओं के बढ़ते पलायन की वजह से हिमालयी राष्ट्र का आर्थिक विकास रुक गया है।

पिछली सरकारों को यह मुद्दा उठाना चाहिए था लेकिन उन्होंने इस पर कोई काम नहीं किया। इसके अलावा धुंगाना ने घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हम दो घनी आबादी वाले पड़ोसी देशों से घिरे हैं जिनकी कुल जनसंख्या तीन अरब है, हमें पड़ोसी बाज़ारों को लक्षित करते हुए अपना उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

युद्धविराम के लिए तैयार हो गए पाकिस्तान और अफगानिस्तान, अब इंस्तांबुल में होगा जमावड़ा

इस्लामाबाद, एजेंसी। कतर के दोहा में काफी जद्दोजेहद के बाद आखिरकर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तुरंत सीजफायर करने पर सहमति बन गई है। अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की भारत यात्रा के दौरान पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल समेत कई इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी। इसके बाद दोनों ही देशों में तनाव बढ़ गया था। किसी तरह 48 घंटे का सीजफायर करवाया गया लेकिन पाकिस्तान ने बीच में ही फिर एयरस्ट्राइक कर दी जिमसें कम से कम 10 अफगान नागरिकों की जान चली गई। अफगानिस्तान की तरफ से बताया गया कि मारे गए लोगों में तीन क्रिकेटर भी शामिल थे। जानकारी के मुताबिक दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच अगली वार्ता 25 अक्टूबर को इंस्तांबुल में होगी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जंग रुकवाने के लिए तुर्की और कतर मध्यस्थता कर रहे थे। कतर के विदेश मंत्री ने कहा, दोनों देशों के शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए यह समझौता बहुत ही आवश्यक था। दोहा में वार्ता में शामिल होने केबाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अब दोनों देशों के बीच 25 अक्टूबर को इंस्तांबुल में वार्ता होगी। आसिफ ने कहा, अफगानिस्तान से पाकिस्तान की धरती पर होने वाले आतंकी हमले तत्काल रोकने होंगे। दोनों ही देश आपस में एक दूसरे कि संप्रभुता का सम्मान करेंगे। पाकिस्तान की तरफ से वार्ता करने वाले प्रतिनिधिमंडल में आईएसआई चीफ जनरल आसिम मलिक भी शामिल थे। इसके अलावा अफगानिस्तान की तरफ से रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब ने इस वार्ता में हिस्सा लिया था।

पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान तहरीक-ए-तालिबान को शह देता है और उसी की धरती पर पाकिस्तान में आतंकी हमलों की साजिश रची जाती है। वहीं अफगानिस्तान ने इस बात से इनकार करते हुए कहा कि जिस आईआईएस को पाकिस्तान में जगह मिलती थी उसे खत्म करने में तालिबान ने ही अहम भूमिका निभाई है। वार्ता से पहले तालिबान के एक सीनियर अधिकारी ने कहा था कि पाकिस्तान ने पत्तिका प्रांत में तीन जगहों पर बमबारी की। इसमें दो बच्चों और तीन क्रिकेटरों समेत कुल 10 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, सीमा पर हालात फिलहाल काबू में हैं।

अमेरिका का ड्रग्स ले जा रही सबमरीन पर हमला, ट्रम्प बोले- 25000 अमेरिकी बच गए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने कैरिबियन सी में ड्रग्स ले जा रही एक सबमरीन पर हमला किया। इस हमले में दो तस्कर मारे गए। वहीं जिंदा बचे दो तस्करों को उनके देश, इक्वाडोर और कोलंबिया वापस भेज दिया गया। इसकी जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर दी।

ट्रम्प ने कहा, मुझे बहुत गर्व का मौका मिला है कि मैंने एक बहुत बड़े ड्रग्स-ले जाने वाले सबमरीन को नष्ट किया, जो अमेरिका की ओर बढ़ रहा था। इसमें फेंटेनाइल और अन्य नशीले पदार्थ भरे हुए थे।

ट्रम्प ने आगे बताया कि दो तस्कर मारे गए और बचे हुए दो तस्करों को उनके देशों में भेजा गया है, जहां उन्हें गिरफ्तार और मुकदमा चलाया जाएगा। ट्रम्प के मुताबिक यह हमला लैटिन अमेरिका से अमेरिका में ड्रग्स की आपूर्ति को रोकने के लिए अमेरिकी सेना की लगातार चल रही अभियान का हिस्सा है। सितंबर से अब तक कम से कम छह जहाजों पर अमेरिकी हमले हुए हैं, जिनमें ज्यादातर स्पीडबोट हैं। अमेरिका का दावा है कि यह अभियान ड्रग तस्करी पर निर्णायक हमला कर रहा है, लेकिन अभी तक मारे गए लोगों के ड्रग्स तस्कर होने के सबूत सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

25 हजार अमेरिकियों की होती मौत : ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा एक पोस्ट में लिखा, एक बड़े पैमाने पर ड्रग ले जाने वाली पनडुब्बी को नष्ट करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। यह पनडुब्बी एक जाने-माने मादक पदार्थों की तस्करी के रास्ते से अमेरिका की ओर आ रही थी। उन्होंने आगे कहा कि यह पनडुब्बी फेंटेनाइल और अन्य ड्रग्स से भरी हुई थी। ट्रंप ने लिखा कि पनडुब्बी पर चार तस्कर सवार थे, जिनमें से दो

अमेरिकी हमले में मारे गए और बाकी दो को हिरासत में लेकर उनके मूल देश कोलंबिया और इक्वाडोर भेजा जा रहा है। अगर यह पनडुब्बी अमेरिका पहुंच जाती तो इसमें मौजूद ड्रग्स से कम से कम 25 हजार अमेरिकी लोगों की मौत होती।

अमेरिका ने नहीं दिया कोई सबूत : कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने भी एक कोलंबियाई संदिग्ध को अमेरिका से वापस भेजे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि हमें खुशी है कि वह जिंदा है और उस पर कानून के मुताबिक मुकदमा चलाया जाएगा। पनडुब्बी पर अमेरिकी हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रग तस्करी के खिलाफ अभियान छेड़ा हुआ है। इसके चलते ट्रंप ने वेनेजुएला से अमेरिकी की तरफ कथित तौर पर ड्रग तस्करी करने वाली नौकाओं को निशाना बनाया है।

हालांकि ताजा हमले में भी अमेरिका ने ऐसा कोई सबूत नहीं दिया, जिससे पता चले कि जिस पनडुब्बी पर हमला हुआ, उस पर ड्रग तस्कर ही सवार थे। न ही अमेरिका ने ये बताया कि ये पनडुब्बी कहां से आ रही थी।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर बरकरार, दीप्ति तीसरे स्थान पर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय उप कप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की मंगलवार को जारी नवीनतम महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं। उन्होंने इंग्लैंड की कप्तान नेट स्किवर ब्रंट पर 83 अंक की बढ़त बना ली है। गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर हैं जबकि इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एकलेस्टोन शीर्ष पर हैं। स्मृति ने मौजूदा विश्व कप में लगातार अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ इंदौर में पिछले मैच में भारत की करीबी हार के दौरान 88 रन की पारी खेली थी।

स्मृति ने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है। इस बाएं हाथ की बल्लेबाज को विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के लिए सितंबर 2025 के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया था। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली विश्व कप में लगातार शतकों के दम पर एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर हैं। फॉर्म में चल रही दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स (एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) ने भी बल्ले से अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष 10 में अपनी जगह मजबूत की है।

शीर्ष 10 के बाहर भी कुछ बदलाव हुए हैं जिसमें भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर (तीन स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर), ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड (पांच स्थान के फायदे से 17वें स्थान पर) और इंग्लैंड की अनुभवी हीथर नाइट (15 स्थान के फायदे से 18वें पायदान पर) सभी को विश्व कप में बल्ले से उनके शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। गेंदबाजी रैंकिंग में दीप्ति ने विश्व कप में अब तक पांच मैच में 13 विकेट की बदौलत तीन स्थान के फायदे से तीसरा स्थान हासिल किया है।

ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर एलेना किंग दो स्थान के सुधार के साथ सातवें स्थान पर हैं जबकि पाकिस्तान की तीन खिलाड़ियों नशरा संधू (तीन स्थान के सुधार के साथ 11वें स्थान पर), सादिया इकबाल (पांच स्थान के सुधार के साथ 14वें स्थान पर) और फातिमा सना (पांच स्थान के सुधार के साथ 24वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। फातिमा ने एकदिवसीय ऑलराउंडर की सूची में अपनी स्थिति मजबूत की है जिसमें ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर शीर्ष पर हैं। फातिमा पांच स्थान के सुधार के साथ 15वें स्थान पर हैं जबकि श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू एक स्थान के फायदे से सातवें पायदान पर है।

चयनसमिति और खिलाड़ियों के बीच सीधी बातचीत होनी चाहिये : अश्विन

-अगरकर के स्पष्ट रवैये की प्रशंसा की

चेन्नई (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटनेस को लेकर जानकारी नहीं होने के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बयान को लेकर स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं के बीच बातचीत होनी चाहिये। हाल ही अगरकर ने कहा था कि शमी की फिटनेस स्थिति को लेकर उन्हें कोई जानकारी नहीं है जबकि शमी ने कहा था कि वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) से फिट होकर लौटे थे। इसलिए चयनकर्ताओं को फिटनेस की जानकारी स्वयं कैसे देते। शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था।

अश्विन ने कहा है कि खिलाड़ियों और चयनकर्ताओं के बीच कोई संदेह नहीं रहे। इसके लिए इनकी बातचीत होनी चाहिये। अगरकर ने शमी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम में नहीं चुने जाने के पीछे फिटनेस को कारण बताया था। वहीं शमी ने कहा था कि इस इस दौरान रणजी ट्रॉफी खेल रहे थे और पूरी तरह से फिट थे।

अगरकर ने कहा कि अगर मोहम्मद शमी अगले कुछ महीनों में पूरी तरह से फिट रहे, तो भविष्य में उनके चयन पर विचार होगा। अश्विन ने कहा कि कैसे खिलाड़ियों और प्रशासन के बीच संवादहीनता से हालात बिगड़ जाते हैं। अश्विन ने कहा, भारतीय क्रिकेट में सीधी बात नहीं होती है। मैं सचमुच चाहता हूं कि इसमें बदलाव किया जाये और ये दोनो ओर से होना चाहिये। अभी अगर कोई सीधी बात कही जाती है, तो वह विवादों में आ ही जाती है।।

उन्होंने शमी के मामले को लेकर कहा, शमी ने मीडिया से बात की , इसमें कुछ भी गलत नहीं है, लेकिन वो ये सब क्यों बोल रहे हैं? क्योंकि उन्हें सीधी जानकार नहीं मिली। अगर उन्हें इस बात की रुपष्ट जानकारी होती कि उनसे क्या उम्मीदें हैं, तो शमी ऐसा नहीं कहते? एक खिलाड़ी के तौर पर जब भी मुझे स्पष्टता नहीं मिलती थी, तो मैं हमेशा थोड़ा निराश महसूस करता था।

अश्विन ने हालात को पेशेवर तरीके से संभालने के लिए अगरकर की भी प्रशंसा की। अश्विन ने कहा, मुझे अगरकर का यह तरीका बहुत पसंद आया कि अगर शमी कुछ कहना चाहेंगे तो मैं फोन करके उनसे बात करूँगा।।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच में कप्तानी करेंगे ऋषभ

-टेस्ट सीरीज से होगी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए का कप्तान बनाया गया है। इसी के साथ ही ऋषभ की मैदान पर वापसी तय हो गयी है। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में पैर की अंगुली में हुए फ्रैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे। इंडिया ए को बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2 चार-चार दिवसीय मैच खेलने हैं। इसका पहला मैच 30 अक्टूबर से खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 6 नवंबर से खेला जाएगा। इसके बाद 14 नवंबर से 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इससे उपकप्तान ऋषभ की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होगी। ऋषभ को पहले 25 अक्टूबर से दिल्ली के लिए रणजी मैच खेलना था पर अब उनको वह मैच खेलने की जरुरत नहीं रहेगी। वह अपनी मैच फिटनेस इंडिया ए के मैचों में ही साबित कर सकते हैं। दोनो ही चार दिवसीय मैचों के लिए टीम में कुछ बदलाव भी किये गये हैं।

दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए टीमः ऋषभ पंत (कप्तान) (विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

महिला विश्व कप: एक दूसरे के खिलाफ अपनी बादशाहत साबित करने के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

इंदौर (एजेंसी)। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा।

दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल करेगी उसका शीर्ष स्थान पक्का हो जाएगा। इसके अलावा उसे सेमीफाइनल से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल हो जाएगी।

एलिसा हीली की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को अभी तक कुछ अवसरों पर चुनौती का सामना भी करना पड़ा है लेकिन उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। पहले दो मैच में उसके बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन एशले गार्डनर और बेथ मूनी के शानदार प्रदर्शन से वह न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही थी। इसके बाद लगातार दो मैच में शतक लगाने वाली कप्तान हीली और भरोसेमंद फोएबे लिचफील्ड के नेतृत्व में उनके शीर्ष क्रम ने अपनी लय हासिल कर ली है।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है और नई गेंद की विशेषज्ञ मेगन शट जैसी गेंदबाज इसका फायदा उठाने के लिए उत्सुक होंगी। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल है, क्योंकि इस वर्ष के शुरू में उसने घरेलू मैदान पर उन्हें सभी प्रारूपों में परास्त किया था। लेकिन इंग्लैंड यहां की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से जानता है क्योंकि कुछ दिन पहले उसने यहां भारत को पराजित किया था।

इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दबाव में भी अपना धैर्य बनाए रखा, जिसमें लिंसे स्मिथ ने कमाल दिखाया। उन्होंने अंतिम ओवर में 13 रन बचाने से पहले स्मृति मंधाना का महत्वपूर्ण विकेट लिया। इसके अलावा उसके पास बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन और ऑफ स्पिनर चार्ली डीन जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं जो लगातार इंग्लैंड को मुश्किल परिस्थितियों से उबारती रही है। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी हालांकि चिंता का विषय है क्योंकि अभी तक रन की बनाने की मुख्य जिम्मेदारी अनुभवी हीथर नाइट और नैट साइवर-ब्रंट ने उठाई है। इंग्लैंड को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके अन्य बल्लेबाजों को भी योगदान देना होगा।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलियाः एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी (विकेटकीपर), जॉर्जिया वोल, एशले गार्डनर, किम गर्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, ताहलिया मैकग्रा, सोफी मोलिनक्स, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, डार्सी ब्राउन, मेगन शट, जॉर्जिया वेयरहैम।

इंग्लैंडः नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

विराट ने शुभमन और अय्यर को पहले मैदान में जाने का अवसर दिया

पर्थ । ऑस्ट्रेलिया दौरे में पर्थ में हुए पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने जिस प्रकार कप्तान शुभमन गिल और उप-कप्तान श्रेयस अय्यर को राष्ट्रगान के लिए पहले मैदान में जाने का अवसर दिया उसकी सभी ने प्रशंसा की है। इसका एक विडियो आया है। इसमें विराट मैदान में कदम रखने से पहले अचानक ही रुक गये और उन्होंने शुभमन और श्रेयस को पहले प्रवेश करने क इशारा किया। पहले एकदिवसीय में शुभमन के अलावा कोहली, अय्यर और रोहित शर्मा सभी असफल रहे थे। कोहली शून्य पर आटउ हुए। वहीं रोहित आठ रन बना पाये थे। अय्यर भी 11 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। भारतीय टीम पहला एकदिवसीय हारी है ऐसे में उसका लक्ष्य एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे एकदिवसीय में वापसी करना रहेगा। एडिलेड में कोहली ने कई बड़ी पारियां खेली हैं। इस मैच में कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है।

विराट कोहली की इस कमजोरी का फायदा उठाएंगे तेज गेंदबाज : मैथ्यू शॉर्ट

एडीलेड : ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का मानना है कि उनकी टीम के तेज गेंदबाज बृहस्पतिवार को यहां दूसरे एकदिवसीय मैच में विराट कोहली की ऑफस्टंप के बाहर की गेंदों के खिलाफहाल की कमजोरी का फायदा उठाना जारी रखेंगे। पर्थ में श्रृंखला के पहले मैच में शून्य पर आउट हुए कोहली एडीलेड ओवल में वापसी करने के लिए बेताब होंगे जो विदेशी सरजमीं पर उनका सबसे सफल मैदान हैं। इस मैदान पर उन्होंने पांच अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं और सभी प्रारूपों में 65 की औसत से रन बनाए हैं। शॉर्ट ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं तेज गेंदबाजों की बैठक में नहीं था लेकिन ऐसा लगता है कि वह (कोहली) हाल ही में इसी तरह आउट हो रहे हैं। हॉफ(जोश हेजलवुड) और स्टार्सी (मिचेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ियों ने उनके खिलाफकाफी गेंदबाजी की है और वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं। पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया। विकेट पर थोड़ी स्विंग और थोड़ी सी उछाल थी इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे।' भारत को पहले एकदिवसीय में ऑप्टस स्टेडियम में 42,423 दर्शकों की मौजूदगी में भारी समर्थन मिला था जिनमें से अधिकांश सात महीने से अधिक समय के बाद रोहित शर्मा और कोहली की टीम में वापसी देखने आए थे। खेल के अन्य प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद ये दोनों पूर्व कप्तान नौ मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। दोनों ने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी थी जबकि सिर्फएकदिवसीय मुकाबले खेलने का फैसला किया। पिछले साल भारत की विश्व कप जीत के बाद दोनों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप से भी संन्यास ले लिया था। शॉर्ट ने कहा, 'जब रोहित या (शुभमन) गिल उस दिन (पर्थ में) आउट हुए और फिर कोहली आए तो बस नारे लगे। जब वह मैदान पर उतर रहे होते थे तो बल्लेबाज के रूप में मैदान से बाहर जाते समय आपको बहुत बुरा महसूस होता था। यह एक शानदार अनुभव है।' रोहित और कोहली दोनों ही अपने वापसी वाले मैच में लय में नहीं दिखे और क्रमशः आठ और शून्य रन पर आउट हो गए। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान मिचेल मार्श ने नाबाद 46 रन की पारी खेलकर टीम को बारिश से प्रभावित मैच में सात विकेट से जीत दिलाई। भारत श्रृंखला में 0-1 से पीछे है इसलिए बृहस्पतिवार को एडीलेड में होने वाला मैच जीतना जरूरी है जिससे कि वह श्रृंखला में बने रह सके।

एशिया कप ट्रॉफी विवाद : बीसीसीआई ने एशिया कप ट्रॉफी को लेकर मोहसिन नकवी को दी चेतावनी

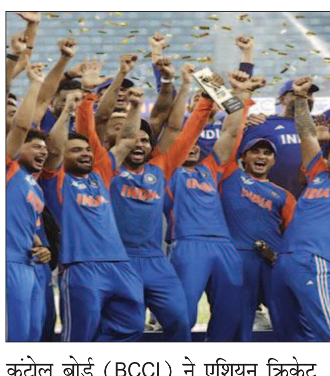

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने सितंबर में पाकिस्तान को हराकर एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम किया था। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय प्रदर्शन करते हुए लगातार जीत दर्ज की। खास बात यह रही कि भारत ने पाकिस्तान को तीन बार हराया, जिससे फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

ट्रॉफी लेने से इंकार, शुरू हुआ विवाद

खिताबी जीत के बाद मैदान पर एक अनोखा नजारा देखने को मिला। भारतीय टीम ने ACC चेयरमैन और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। टीम का कहना था कि वे नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं लेना चाहते। इसके बाद नकवी ने ट्रॉफी अपने साथ ले ली, जिससे नया विवाद खड़ा हो गया।

बीसीसीआई ने एसीसी को लिखा पत्र

इस घटना के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) को औपचारिक पत्र भेजा है। BCCI के सचिव देवजीत सैकिया ने इंडिया टुडे से बातचीत में पुष्टि करते हुए कहा, 'हमने एसीसी को स्पष्ट कहा है कि एशिया कप ट्रॉफी भारत को सौंपी जाए। अगर जवाब नहीं मिला या नकारात्मक जवाब आया, तो मामला आईसीसी (ICC) तक ले जाया जाएगा।' बीसीसीआई का रुख साफ है कि विजेता टीम को ट्रॉफी हर हाल में मिलनी चाहिए। बोर्ड ने कहा कि यह सिर्फ सम्मान का नहीं, बल्कि क्रिकेट की मर्यादा का सवाल है।

नकवी पर कार्रवाई की तैयारी

सूत्रों के मुताबिक, अगर मोहसिन नकवी ट्रॉफी लौटाने से इनकार करते हैं, तो आईसीसी में उनके खिलाफ कार्रवाई की पहल की जा सकती है। बीसीसीआई ने पहले ही कहा था कि यह मुद्दा नवंबर में होने वाली आईसीसी की बैठक में उठाया जाएगा, जहाँ पाकिस्तानी बोर्ड प्रमुख से जवाब मांगा जाएगा।

विवादों के बीच हुआ था टूर्नामेंट

एशिया कप 2025 वैसे भी कई विवादों के साए में हुआ। टूर्नामेंट को 'ऑपरेशन सिंदूर' की छाया में आयोजित किया गया था। शुरू में लग रहा था कि भारत पाकिस्तान में नहीं खेलेगा, लेकिन बाद में बीसीसीआई ने सीमित सुरक्षा आश्वासन के बाद अनुमति दी। इसके बावजूद पूरे टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी परहेज़ किया। मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह माहौल तनावपूर्ण रहा।

भारत की ऐतिहासिक जीत

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को पछाड़ दिया। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया और लगातार तीसरी बार एशिया कप चैंपियन बना।

गोल्फ जितना आसान दिखता है उतना है नहीं : कपिल

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव संन्यास के बाद से ही गोल्फ खेलते रहे हैं। कपिल का कहना है कि ये खेल काफी आसान दिखता है पर होता नहीं है। अधिकतर लोग शुरुआती दिनों की ट्रेनिंग के बाद ही इसे छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा कि लक्ष्य छोटा होने के कारण गोल्फ का खेल सीखना क्रिकेट से भी कठिन है। साथ ही कहा कि गोल्फरों को बेहद अच्छे मार्जिन के साथ काम करना पड़ता है, जिससे खेल कहीं अधिक कठिन हो जाता है। भारत की पहली विश्वकप विजेता टीम के कप्तान ने कहा कि गोल्फ का प्रशिक्षण भी काफी कठिन होता है। अधिकांश खिलाड़ी प्रशिक्षण के शुरुआती 15 दिनों के अंदर ही खेल छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा, लक्ष्य जितना छोटा होगा, खेल उतना ही मुश्किल होता है। क्रिकेट में, आप कैसा भी शॉट लगकर स्कोर कर सकते हैं पर गोल्फ में ऐसा नहीं है। इसमें छोटी सी गलती से भी आप बाहर होते हैं।इसमें अधिकतर लोग हार के बाद निराशा में लोग खेल छोड़ देते हैं जबकि मैं चाहता हूं कि प्रतियोगी जीतें और गोल्फ कोर्स में वापस आएं। अपना प्रदर्शन दिखाएं और खेल का आनंद लें। यही सबसे अहम बात है। इस महान ऑलराउंडर ने कहा, गोल्फ एक ऐसा खेल है जिसे आप किसी भी उम्र में खेल सकते हैं। एक क्रिकेटर या फुटबॉलर के लिए 50 साल की उम्र में गेंदबाजी करना या दौड़ना संभव नहीं है। यहां, आप अपने पिता, अपने पोते-पोतियों, अपने दोस्तों, अपनी पत्नी के साथ खेल सकते हैं। यही कारण है कि यह खेल बड़ा है और तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

रोहित और कोहली फार्म हासिल करने घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये : आरोन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में विफल होने के बाद कहा है कि इन दोनो को घरेलू क्रिकेट खेलकर अपना फार्म और फिटनेस हासिल करनी चाहिये। आरोन के अनुसार विराट और रोहित को पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी से सीखना चाहिये। जिस प्रकार से धोनी ने टेस्ट से संन्यास लेने के बाद भी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेली। वैसा ही इन दोनो को भी करना चाहिये। आरोन ने कहा, 卐 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी नवंबर में शुरू होती है और फिर विजय हज़ारे ट्रॉफी दिसंबर में। इनके लिए खेल से जुड़े रहने का यही सबसे अच्छा तरीका है। साथ ही उम्मीद जतायी है कि ये दोनों बल्लेबाज़ इस पर ध्यान देंगे। आरोन के अनुसार अब ये दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं। ऐसे में इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी है। एकदिवसीय मैच अब काफी कम होते हैं। ऐसे में खेलने का अधिक अवसर नहीं मिलता। गौरतलब है कि धोनी टेस्ट से संन्यास लेने के बाद भी घरेलू क्रिकेट में झारखंड की ओर से खेलते रहे और उसी साल उन्होंने सात विजय हज़ारे ट्रॉफी भी खेली। विराट और रोहित से क्रिकेट बोर्ड ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में खराब प्रदर्शन के बाद घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा था। इसके बाद भी इन दोनो ही दिग्गजों ने केवल एक-कए मैच खेला था। अपने घरेलू मैच में भी ये दोनो विफल रहे थे।

रिजवान को कप्तानी से हटाने के पीछे हैं कोच हेडन, फिलिस्तीन का खुलकर समर्थन करने से नाराज थे

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए मोहम्मद रिजवान को कप्तानी से हटाने के लिए कोच माइक हेसन को जिम्मेदारी बताया है। लतीफ ने कहा कि फिलिस्तीन का खुलकर समर्थन करने के कारण रिजवान को कप्तान से हटाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के दौरान पीसीबी ने रिजवान की जगह पर तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को कप्तानी दी है। पीसीबी के इस फैसले के बाद से ही पाकिस्तान क्रिकेट में हड़कंप मचा है। लतीफ ने हेसन की आलोचना करते हुए कहा कि रिजवान ने गाजा-इजराइल संघर्ष पर सार्वजनिक रूप से फिलिस्तीन का समर्थन किया था जिससे हेसन नाराज थे। इसी वजह से हेसन ने रिजवान को कप्तानी से हटाया है। एक वीडियो में लतीफ ने कहा, 'उसने फिलिस्तीन का मामला उठाया तो उसे कप्तानी से हटा दिया गया। इस प्रकार की मानसिकता ठीक नहीं है।' लतीफ ने हेसन की आलोचना करते हुए कहा, 'इस फैसले के केवल कोच हैं। वह ड्रेसिंग रूम में पाकिस्तानी कल्चर को पसंद नहीं करते हैं। उनके पास अपने 5-6 लोगों की टीम है। वह ड्रेसिंग रूम में ऐसी संस्कृति को खत्म करना चाहेंगे।'गौरतलब है कि रिजवान ने इसी साल पाकिस्तान सुपर लीग के एक मैच में फिलिस्तीन की सहायता के लिए 1 लाख पाकिस्तानी रुपये दिये थे। रिजवान ने इस साल अप्रैल में एक मैच के दौरान अपने खिलाड़ियों द्वारा लगाए गए हर छक्के और विकेट के लिए अपनी पीएसएल फ्रैंचाइजी मुल्तान सुल्तान्स के माध्यम से फिलिस्तीनी चैरिटी को सहायता का वादा किया था।

एशेज से पहले स्टीव स्मिथ का ऐलान, 'बस दो हिट्स और मैं तैयार हूं'

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज़ स्टीव स्मिथ ने एशेज से पहले अपनी फिटनेस और तैयारियों को लेकर बड़ा बयान दिया है। न्यूयॉर्क में छोटे से ब्रेक के बाद उन्होंने पहली बार नेट्स में वापसी की और कहा कि उन्हें अब सिर्फ 'दो हिट्स' की जरूरत है ताकि वह पूरी तरह से लय में आ जाएं।

चोट से उबरने के बाद मैदान में वापसी

स्टीव स्मिथ इस साल की शुरुआत में हुई उंगली की चोट से परेशान थे। चोट के कारण वह वेस्टइंडीज दौरे से भी बाहर रहे थे। लेकिन अब वह पूरी तरह फिट महसूस कर रहे हैं और सिडनी में नेट अभ्यास शुरू कर चुके हैं। स्मिथ ने कहा, 'सच कहूं तो मुझे ठीक होने में दो हिट लगते हैं। अब मैं खेलने के लिए तैयार हूँ। मैं अच्छी फॉर्म में हूँ और खुद को मज़बूत महसूस कर रहा हूं।' उन्होंने यह भी बताया कि पिछले कुछ हफ्तों से वह जिम में कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अपने स्ट्रेंथ टेस्ट में पहले से बेहतर प्रदर्शन किया है।

कप्तानी की संभावना और कमिंस की स्थिति

ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान पैट कमिंस की पीठ में दर्द के कारण पहले टेस्ट मैच के लिए उनकी उपलब्धता अनिश्चित मानी जा रही है। ऐसे में स्टीव स्मिथ के फिर से कप्तानी संभालने की संभावना बढ़ गई है। स्मिथ ने कहा, 'कमिंस अभी गेंदबाज़ी नहीं कर रहे हैं, लेकिन वो अच्छे मूड में हैं। उम्मीद है कि वो जल्दी फिट हो जाएँ। टीम उनके साथ और मजबूत होती है।' अगर कमिंस पहले टेस्ट से बाहर रहते हैं, तो स्मिथ एक बार फिर टीम की कमान संभाल सकते हैं जैसा उन्होंने 2021-22 की एशेज सीरीज में एडिलेड टेस्ट के दौरान किया था।

कप्तान के रूप में स्मिथ का शानदार रिकॉर्ड

स्टीव स्मिथ का कप्तान के रूप में प्रदर्शन हमेशा बेहतरीन रहा है। उनके नेतृत्व में उनका बल्लेबाजी औसत लगभग 69 रन प्रति पारी है, जबकि सामान्य रूप से यह 50 के करीब रहता है। 2021-22 एशेज में उन्होंने एडिलेड टेस्ट की पहली पारी में 93 रन बनाए थे जब कमिंस कोविड के कारण टीम से बाहर थे। उनकी शांत और रणनीतिक सोच ऑस्ट्रेलिया के लिए हमेशा फायदेमंद रही है।

टीम संयोजन और स्कॉट बोलैंड पर भरोसा

स्मिथ ने यह भी बताया कि अगर कमिंस नहीं खेल पाते, तो टीम के पास स्कॉट बोलैंड जैसे भरोसेमंद गेंदबाज हैं। उन्होंने कहा, 'स्कॉट बोलैंड हमारे पास एक शानदार विकल्प हैं। उनका प्रदर्शन ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में हमेशा बेहतरीन रहा है। इसके अलावा स्टार्क और हेजलवुड भी शानदार फॉर्म में हैं, इसलिए टीम को कोई बड़ी दिक्कत नहीं होगी।'

युवा पीढ़ी को पूरे मन से अपने जुनून को फॉलो करना चाहिए

अभिनेता अजय देवगन हाल ही में बॉलीवुड के उभरते अभिनेताओं को सुझाव देते दिखे। अजय देवगन ने नए उभरते सितारों को सलाह दी है कि वे अपना पैशन फॉलो करें और खुद पर यकीन बनाए रखें। एक्टर ने कहा, वे पूरे दिल से अपने जुनून का अनुसरण करें। डर और सेल्फ डाउट को अपने लक्ष्य पर हावी न होने दें।

दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज

बता दें कि अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो काफी दिलचस्प है। उनकी यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म इस साल बाल दिवस पर यानी 14 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अजय देवगन के अलावा इस सीक्वल फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, आर माधवन, मीजान जाफरी और जावेद जाफरी भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। इसे टी-सीरीज फिल्म्स के बैनर तले लव रंजन और तरुण जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के लिए दिल्ली पहुंची। इस मौके पर अजय देवगन ने फिल्म इंडस्ट्री में तीन दशकों से ज्यादा समय तक काम करने के बाद बॉलीवुड में प्रासंगिक बने रहने का अपना सूत्रा शेयर किया। अभिनेता ने आत्मविश्वास के महत्व पर जोर दिया और लोगों को सुझाव दिया कि वे सेल्फ बिलीव को मानें साथ ही कठिन मेहनत करते रहें। अजय देवगन ने कहा, आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। खुद पर यकीन रखना होगा और मेहनत करते रहनी होगी। मुझे नहीं लगता कि असुरक्षा की कोई जगह है। इसके लिए जिंदगी बहुत छोटी है।

दिल की जरूर सुननी चाहिए

अजय देवगन ने अपने जीवन के सिद्धांतों पर जोर देते हुए युवा और उभरते कलाकारों से कहा, सफलता और असफलता की चिंता किए बिना, जीवन में पूरे मन से अपने जुनून को फॉलो करना चाहिए। अजय देवगन ने कहा, मैं युवा पीढ़ी से यही कहता रहता हूं। अगर आपको कोई चीज दिल से पसंद है, तो आगे बढ़ें और उसे करें। यह काम करेगा या नहीं, यह हम बाद में देखेंगे। अगर आपको कोई चीज दिल से पसंद है, तो आपको उसे करना चाहिए।

उर्वशी रौतेला ने फिर थपथपाई अपनी पीठ

इस कामयाबी के लिए अदा किया फैंस का शुक्रिया

दिवाली का त्योहार है। इंडस्ट्री में पार्टी और सेलिब्रेशन का दौर जारी है। हाल ही में उर्वशी रौतेला भी एक दिवाली पार्टी में शामिल हुईं। उनका दावा है कि इस दौरान उन्हें अपनी एक बड़ी सफलता के बारे में मालूम चला और इसे उन्होंने फैंस के साथ शेयर किया है। उर्वशी का दावा है कि उनके तीन चर्चित गाने एक-एक बिलियन व्यूज के करीब पहुंच गए हैं। दिलचस्प बात है कि यह सफलता हासिल करने वाली वह पहली और सबसे कम उम्र की भारतीय अभिनेत्री हैं।

तीन गानों ने बनाया रिकॉर्ड

उर्वशी रौतेला ने आज शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने रेड कलर की ड्रेस में अपनी स्टनिंग और स्टाइलिश फोटोज शेयर की है। इसके साथ लिखा लंबा नोट गौर करने लायक है। उर्वशी ने लिखा है, पहली और सबसे कम उम्र की भारतीय अभिनेत्री, जिसके तीन गाने अलग-अलग एक अरब व्यूज के करीब पहुचे हैं। कुल मिलाकर लगभग तीन अरब व्यूज हासिल हुए हैं। यह गाने हैं, सनम रे, हुआ है आज और लवडोज।

फैंस ने दीं बधाई

इसी के साथ उर्वशी ने फैंस को धनतेरस और दिवाली की शुभकामनाएं भी दी हैं। मां लक्ष्मी आप और आपके परिवार पर समृद्धि, प्यार और रोशनी की बौछार करे। उर्वशी की इस सफलता पर फैंस उन्हें बधाई दे रहे हैं। बता दें कि उर्वशी के यह तीनों ही गाने काफी चर्चित रहे हैं। हालांकि, तीनों को एक-एक बिलियन व्यूज अब तक तो नहीं मिले हैं, मगर सनम रे गाना इस संख्या के करीब जरूर है। बाकी दोनों गानों को भी यूट्यूब पर अच्छे-खासे व्यूज मिले हैं।

दिवाली पार्टी में मिली खूबसूरत न्यूज

उर्वशी ने आगे लिखा है, आप सभी को यह बताते हुए मुझे बेहद खुशी और गर्व महसूस हो रहा है। मुझे यह खूबसूरत न्यूज एक दिवाली पार्टी में पता चली। सच कहूं तो यह अभी भी काल्पनिक लग रहा है। आप सभी के प्रति मैं शुक्रगुजार हूं। मेरे कमाल के फैंस और शुभचिंतक, उन सभी के लिए जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया और मेरा उत्साह बढ़ाया, सभी का शुक्रिया। आपको अंदाजा भी नहीं है कि मेरे दिल में आप सभी के लिए कितना प्यार है।

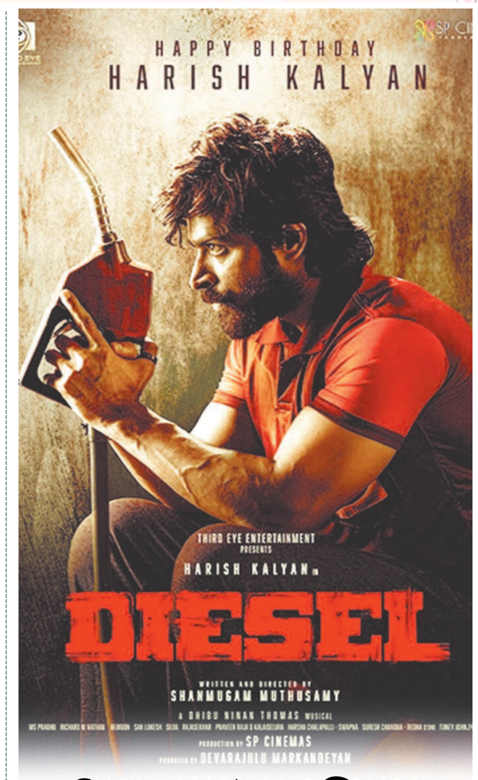

डीजल में अभिनय करना शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे हरीश कल्याण की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर डीजल 17 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इस फिल्म में हरीश ने पहली बार एक एक्शन हीरो का किरदार निभाया है। इस फिल्म का निर्देशन शन्मुगम मुथुसामी ने किया है। एक इंटरव्यू में हरीश कल्याण ने बताया कि डीजल में काम करना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ था। हरीश कल्याण ने कहा, निर्देशक शन्मुगम मुथुसामी की रिसर्च और डिटेलिंग ने मुझे हैरान कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट की गहराई ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे। पेट्रोल और डीजल हर किसी की जिंदगी से जुड़े हैं, और सोने से ज्यादा वैल्यूएबल कच्चा तेल, जिसे ब्लैक गोल्ड कहते हैं, दुनिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रिसोर्स है। हम रोज पेट्रोल पंप जाते हैं, लेकिन कच्चे तेल की उस डार्क वर्ल्ड के बारे में शायद ही सोचते हैं। डीजल उसी दुनिया को एक्सप्लोर करेगी।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म ग्लोबल ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और अनोखा एक्सपीरियंस लेकर आएगी। इसे गहराई और पर्पज के साथ क्राफ्ट किया गया है, और बड़े स्केल पर प्रोड्यूस किया गया है। हमने क्रिएटिव रिस्क लिए हैं जो कुछ अलग लेवल के हैं। दुनिया की सबसे बिजी लोकेशन्स पर शूटिंग करना सच में एक बड़ा चैलेंज था, लेकिन साथ ही एक्साइटिंग भी। बताया जा रहा है कि अभिनेता हरीश कल्याण ने इस रोमांचक थ्रिलर पर बड़ा दांव लगाया है।

सोनाक्षी सिन्हा ने प्रेग्नेंसी अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबरों पर चुप्पी तोड़ते हुए मजेदार अंदाज में जवाब दिया है। रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी की तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मानव इतिहास में सबसे लंबी प्रेग्नेंसी का वर्ल्ड रिकॉर्ड मेरे नाम है (16 महीने पूरे हो गए हैं, हमारी समझदार मीडिया के हिसाब से)। ये सब सिर्फ इसलिए क्योंकि मैंने पेट पर हाथ रखकर पोज दिया था। आखिरी स्लाइड तक स्क्रॉल करें और हमारा रिएक्शन देखें... फिर इस दिवाली बस चमकते रहिए! दरअसल, दो दिन पहले सोनाक्षी और जहीर डिजाइनर विक्रम फडनीस के शो में शामिल हुए थे। इवेंट में हिस्सा लेने के लिए सोनाक्षी ने रेड और वाइट रंग की अनारकली पहनी थी। रेड कारपेट पर पैपराजी के लिए पोज देते समय वो दुपट्टे से अपना पेट कवर करती दिखीं। एक वीडियो में वो पेट पर हाथ रखते भी नजर आईं, जिसके बाद से ही उनकी प्रेग्नेंसी की अफवाहें चलने लगीं। वहीं, बुधवार को कपल प्रोड्यूसर रमेश तौरानी की दिवाली पार्टी में पहुंचा था। इस दौरान दोनों मलाइका अरोड़ा के बेटे अरहान और सोहेल खान के बेटे के साथ पैपराजी को पोज देते दिखे। सोनाक्षी और जहीर ने लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद साल 2024 में शादी की थी। दोनों ने अपने करीबी लोगों की मौजूदगी में घर पर ही शादी रजिस्टर करवाई थी। कपल अक्सर सोशल मीडिया पर अपने डे टू डे लाइफ के वीडियो भी शेयर करते रहते हैं।

द राजा साब के बाद मालविका मोहनन को मिली मेगा 158

तेलुगु सिनेमा की दुनिया से बड़ी खबर सामने आ रही है। जल्द ही प्रभास के साथ फिल्म 'द राजा साब' में नजर आने वाली साउथ की खूबसूरत अभिनेत्री मालविका मोहनन अब मेगास्टार चिरंजीवी के साथ बड़े पर्दे पर रोमांस करती नजर आ सकती हैं। यह खबर सुनते ही फैंस के बीच इसे लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्देशक बॉबी कोली की अगली फिल्म 'मेगा 158' में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दो हीरोइनों को कास्ट किया जा रहा है, जिनमें से एक के लिए मालविका मोहनन का नाम चर्चा में है। अगर सब कुछ तय हुआ, तो 'द राजा साब' के बाद यह मालविका की दूसरी तेलुगु फिल्म होगी, जो उनके करियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। मालविका के करीबी सूत्रों का कहना है कि अभिनेत्री के लिए मेगास्टार चिरंजीवी के साथ स्क्रीन शेयर करना किसी सपने से कम नहीं है। चिरंजीवी और बॉबी की पिछली फिल्म 'वाल्थेयर वीरैया' सुपरहिट रही थी, ऐसे में दर्शकों को इस नई जोड़ी से भी काफी उम्मीदें हैं।

लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे।

दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी में दूल्हे के रोल में दिखेंगे संजय मिश्रा

किरदार को टर्निंग प्वाइंट बताया

बॉलीवुड अभिनेता संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का अनाउंसमेंट हाल ही में हुआ था। इस फिल्म में वह एक दूल्हे के रोल में दिखाई देंगे। ऐसा दूल्हा जो दूसरी बार शादी करने वाला है और शादी के लिए लड़की वालों को दहेज तक देने को तैयार है।

संजय मिश्रा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, दुल्हन मिल गई है, अब तैयार हो जाइए क्योंकि बारात जल्द ही आने वाली है, आपके नजदीकी या थोड़ी दूर सिनेमाघरों में।

इस पोस्टर में महिमा चौधरी को दुल्हनिया के रूप में दिखाया गया है, जबकि संजय मिश्रा उनकी तस्वीर लिए बैठे दिख रहे हैं। संजय मिश्रा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि यह किरदार उनके लिए क्यों खास है। अभिनेता ने कहा, दुर्लभ प्रसाद एक ऐसा किरदार है जिसे आप उसकी सादगी और मासूमियत के लिए पसंद करेंगे। इमोशन के साथ कॉमेडी हमेशा खास होती है, और इस फिल्म में दोनों ही भरपूर हैं। मैं दर्शकों को इस अनोखे दूल्हे और उसके अनोखे सफर से रूबरू कराने के लिए उत्साहित हूं।

वहीं, फिल्म के निर्माता एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन ने बताया कि इस फिल्म की कहानी ऐसी है जो दर्शकों को हंसाने के साथ ही सोचने को भी मजबूर कर देगी। इसमें एक गहरा सामाजिक संदेश भी छिपा है। इससे पहले फिल्म की घोषणा करते हुए एक पोस्ट में संजय मिश्रा ने लिखा था, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की जिंदगी में प्यार भर दे।

दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी में महिमा चौधरी, पलक लालवानी, प्रवीण सिंह सिसोदिया, और श्रीकांत वर्मा जैसे कलाकार भी हैं। एका एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म में एक ऐसे बेटे की कहानी है जो विधुर पिता की दूसरी शादी करवाना चाहता है। इस फिल्म को सिद्धांत राज सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट नहीं आई है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।